DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, पौष, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 2082 | शुक्रवार, 02 जनवरी 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 48 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

झारखंड में निगम और निकाय चुनाव की समीक्षा बैठक आठ जनवरी को

निगम व निकाय चुनाव मार्च में

GANDIV REPORTER

रांची। नगर निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर 08 जनवरी को राज्य निर्वाचन आयोग आला अधिकारियों के साथ समीक्षा करने जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होनेवाली इस समीक्षा बैठक में राज्य के सभी जिलों के डीसी-एसपी के अलावे नगर विकास सचिव, डीजीपी, गृहसचिव आदि अधिकारी मौजूद रहेंगे। समीक्षा बैठक के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा निकाय चुनाव की तैयारी, सुरक्षा बलों की तैनाती सहित कई बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि चुनाव घोषणा से पूर्व कई बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जाती है। जिसके तहत 08 जनवरी को पहली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक होगी। जिसमें राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के साथ आला अधिकारी मौजूद रहेंगे।

राज्य में नगर निकाय चुनाव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है और इसी महीने यानी जनवरी के तीसरे सप्ताह में इसकी घोषणा होने की संभावना है। जिला स्तर पर की गई तैयारी की समीक्षा के उपरांत राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव को लेकर निर्णय लेगा।

गौरतलब है कि राज्य निर्वाचन आयोग ने झारखंड हाईकोर्ट को पिछले दिनों हुई सुनवाई के दौरान शपथपत्र के जरिए बताया है कि विस्तृत तैयारी के लिए 8 सप्ताह की जरूरत पड़ेगी। साथ ही चुनावी प्रक्रिया पूर्ण करने में अतिरिक्त 45 दिन लगेंगे। इस बाबत सीलबंद शपथ पत्र 22 नवंबर को आयोग द्वारा दाखिल किया गया था। इस मामले में अगली सुनवाई चूंकि 30 मार्च को निर्धारित है ऐसे में आयोग इससे पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में है।

शहरी नगर निकाय क्षेत्र जहां होने हैं चुनाव

नगर निगम-रांची, हजारीबाग, मेदनीनगर, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, चास, आदित्यपुर और मानगो।

नगर परिषद-गढ़वा, विश्रामपुर, चाईबासा, झुमरी तिलैया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम।

नगर पंचायत-बंशीधर नगर, मझिआंव, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर, लातेहार, कोडरमा, डोमचांच, बड़की सरैया, धनवार, महगामा, राजमहल, बरहरवा, बासुकीनाथ, जामताड़ा, बुंडू, खूंटी, सरायकेला और चाकुलिया।

पिकनिक मना रहे दोस्तों के बीच हुई लड़ाई, तलवार निकालकर मार डाला

GANDIV REPORTER

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां पिकनिक पर आए दो दोस्तों में लड़ाई हो गई और देखते ही देखते लड़ाई जानलेवा हो गई। एक दोस्त ने तलवार निकालकर दूसरे दोस्त की हत्या कर दी। इस घटना में एक और युवक को चोटें आई हैं। गंभीर हालत में घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मामला हजारीबाग के लोहसिंघना थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी चौक के पास का है।

नये साल की रात को करीब 11 बजे मंडई के रहने वाले शम्भू राणा के साथ उसके दोस्त पिकनिक पर थे। इस दौरान शम्भू राणा की दोस्तों के साथ किसी बात को लेकर लड़ाई शुरू हो गई। इस दौरान एक दोस्त ने तलवार निकालकर शम्भू राणा पर हमला कर दिया। इस हमले में शम्भू गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल शम्भू की मौत हो गई। इस घटना में एक और युवक को गंभीर चोटें आई हैं। युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, शम्भू राणा पिकनिक मनाकर लौट रहा था। इस दौरान कोलघटी के पास उन लोगों की कुछ बहस हुई और फिर मारपीट होने लगी। इसके बाद युवकों का एक गैंग पहुंचा और तलवार से हमला कर दिया। इस हमले में शम्भू राणा की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में पांच युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

झारखंड हाइकोर्ट के नए चीफ जस्टिस होंगे एमएस सोनक

राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

रांची। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एम एस सोनक को झारखंड हाइकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। शुक्रवार को केंद्रीय कानून मंत्रालय ने राष्ट्रपति की सहमति के बाद जस्टिस एम एस सोनक को झारखंड हाईकोर्ट का नया चीफ जस्टिस नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की है। झारखंड हाईकोर्ट के वर्तमान चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान आठ जनवरी को सेवानिवृत हो रहे हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि जस्टिस सोनक 8 जनवरी को शपथ ग्रहण करने के बाद चीफ जस्टिस का कार्यभार संभालेंगे।

टेंपो व टैंकर में टक्कर, तीन की मौत

आधा दर्जन घायल, स्वास्थ्य मंत्री ने दिए बेहतर इलाज के निर्देश

GANDIV REPORTER

साहिबगंज। साहिबगंज जिले के बरहरवाझ बरहेट मुख्य मार्ग पर रांगा के समीप आज टेम्पू और टैंकर के बीच भयानक टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें चार की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिविल सर्जन, साहिबगंज को रांगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत घायलों को भर्ती कराने के निर्देश दिए।

मौके पर सभी आवश्यक डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी पहुंच चुके हैं और गंभीर रूप से घायल मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया जा रहा है। साथ ही बरहेट, बरहरवा और रांगा थाना की पुलिस भी मौके पर मौजूद है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखते हुए आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ। अंसारी ने मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

प्रेमिका से शादी के लिए पत्नी को मार डाला, गड्ढे में गाड़ दिया शव

GANDIV REPORTER

पलामू। झारखंड के पलामू में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के नावा बाजार थाने के तुकबेरा गांव के डरौना टोले में गुरुवार रात को एक गड्ढे से रणजीत मेहता की पत्नी प्रियंका कुमारी का शव निकाला गया। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्रेमिका से शादी करने के लिए पति ने ही हत्या कर शव को गड्ढे में दफना दिया।

परिजनों के अनुसार, पांडू दरुआ तिसीबार निवासी द्वारिका मेहता की पुत्री प्रियंका की शादी 2019 में विश्रामपुर के भूखला गांव निवासी रणजीत मेहता से हुई थी। उससे पहले से रणजीत का प्रेम प्रसंग तुकबेरा की एक महिला से चल रहा था, इसलिए वह अक्सर प्रियंका से मारपीट करता था। इधर, दो दिन पहले परिजनों को सूचना मिली कि प्रियंका की हत्या कर शव को गड्ढे में दफना दिया गया है।

इस मामले की जानकारी देते हुए नावा बाजार के थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मृतका के परिजनों ने विश्रामपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। खोजबीन में गुरुवार को शव गड्ढे से बरामद हुआ। शव दफनाने के लिए जिस जेसीबी से गड्ढा खुदवाया गया था, उसके मालिक ने बताया कि पानी निकालने की बात कह गड्ढा खुदवाया गया था। पुलिस के अनुसार, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद नावा बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन शुरू की। बाद में दंडाधिकारी के मौजूदगी में पुलिस ने प्रियंका कुमारी के दफन हुए शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से रंजीत मेहता एवं उसकी प्रेमिका दोनों फरार हैं।

आरोप है कि रंजीत एवं उसकी प्रेमिका ने मिलकर पूरी हत्या की साजिश थी। हत्या के बाद शव को दफनाया गया था, शक नहीं होने के लिए प्रियंका के शव के साथ एक कुत्ते को भी दफनाया गया था। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि प्रेमिका ने 22 दिसंबर को जेसीबी से गड्ढे को खुदवाया था। 28 दिसंबर को उसने दोबारा जेसीबी के मालिक से गड्ढे को भरने को कहा था।

केरेडारी ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर रातोंरात खड़ी हुई चहारदीवारी, कुर्सी लगाकर बैठे पूर्व मंत्री योगेंद्र

GANDIV REPORTER

हजारीबाग। जिले के केरेडारी क्षेत्र में कोयला परिवहन के एक महत्वपूर्ण ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर रातों रात अज्ञात लोगों द्वारा करीब पांच फीट ऊंची एक चहारदीवारी खड़ी कर दी गयी। इस अचानक खड़ी की गई दीवार के कारण सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है, जिससे कोयला परिवहन में लगे सैकड़ों हाईवा वाहनों का आवागमन घंटों से पूरी तरह ठप हो गया है।

जब वाहन चालक और ट्रांसपोर्टर बीच सड़क पर खड़ी दीवार को हटाने के लिए पहुंचे तो पूर्व मंत्री योगेंद्र साव वहां पर कुर्सी लगाकर बैठ गए।

वाहनों की लगी लंबी कतार : मार्ग अवरुद्ध होने के कारण ट्रांसपोर्टिंग में लगे लोड हाईवा वाहनों की लंबी कतार लग गई है। कई टन कोयला लेकर जा रहे ये वाहन मार्ग खुलने का इंतजार कर रहे हैं, जिससे खनन और परिवहन कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चालकों और ट्रांसपोर्टरों ने मार्ग को जल्द से जल्द खाली कराने और अवरोध पैदा करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

छुट्टी का उठाया गया फायदा

यह घटना उस वक्त सामने आई जब दो जनवरी की सुबह ट्रांसपोर्टिंग का कार्य पुनः शुरू करने के लिए लोड हाईवा वाहन सड़क पर निकले। चालकों और ट्रांसपोर्टरों ने देखा कि मुख्य ट्रांसपोर्टिंग सड़क के बीचोंबीच ईंटों और सीमेंट से बनी एक मजबूत, लगभग पांच फीट ऊंची दीवार खड़ी है, जिसने मार्ग को दोनों तरफ से बंद कर दिया है। स्थानीय लोगों और ट्रांसपोर्टरों का मानना है कि चहारदीवारी का निर्माण एक जनवरी को नए साल की छुट्टी के दिन किया गया, जब क्षेत्र में ट्रांसपोर्टिंग कार्य पूरी तरह से बंद था। अज्ञात लोगों ने इसी अवसर का लाभ उठाया और रात के अंधेरे में सुनियोजित तरीके से इस निर्माण को अंजाम दिया।

12 से ज्यादा दुकानों में लगी आग लाखों का सामान जलकर खाक

GANDIV REPORTER

धनबाद। जिले के निरसा थाना क्षेत्र स्थित निरसा बाजार में फुटपाथ के पास बनी एक दर्जन से अधिक दुकानों में भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई गई है। घटना में दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं।

आग लगने की सूचना मिलते ही निरसा थाना पुलिस और डीवीसी मैथन एमपीएल की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसके साथ ही पुलिस और सीआईएसएफ की तत्परता से आसपास की अन्य दुकानों को आग से बचा लिया गया। आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है।

घटना के बाद दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि उन्हें रात करीब 12 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। जब वे वहां पहुंचे, तब तक उनकी दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। दुकानदारों ने बताया कि आग लगने की जानकारी जैसे ही मिली, वैसे ही मौके पर पहुंच गए लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था।

सुरक्षा के बीच कैसे फरार हुए जेल से तीन कैदी, जांच शुरू

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के हजारीबाग जेल से तीन कैदी फरार होने के मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए जेल आईजी ने दो सुरक्षाकर्मी को सस्पेंड कर दिया है। वहीं कई सुरक्षाकर्मियों को शोकॉज किया गया है। झारखंड के हजारीबाग जिले के जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा से तीन कैदियों के एक साथ फरार होने की घटना ने एक बार फिर से जेल सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ जहां फरार कैदियों के गिरफ्तारी के लिए हजारीबाग पुलिस दिन-रात एक किए हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ जेल प्रशासन के द्वारा कड़ी सुरक्षा के बीच आखिर तीन कैदी एक साथ कैसे फरार हुए इसकी जांच भी शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि सेल को काटने के लिए हेक्सा ब्लेड का प्रयोग किया गया है।

झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि मामला बेहद गंभीर है। इतनी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीन कैदी कैसे फरार हो गए हैं, यह बड़ा सवाल है। जेल आईजी ने बताया की सीसीटीवी देखने से यह पता चलता है की रात के एक बजे के बाद तीनों कैदी फरार हुए हैं।

हमें कोई नहीं बताएगा, जैसे चाहेंगे वैसे अपनी रक्षा करेंगे : जयशंकर

GANDIV REPORTER

नयी दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर पड़ोसी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने साफ किया है कि हमारी सुरक्षा हम जैसे चाहेंगे, वैसे करेंगे। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे अन्य पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों पर भी खुलकर बात की। हाल ही में जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ढाका पहुंचे थे।

आईआईटी मद्रास के एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, मैं दो दिन पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बांग्लादेश गया था। लेकिन मोटे तौर पर पड़ोस के प्रति हमारा रवैया कॉमन सेंस पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अच्छे पड़ोसियों के साथ भारत निवेश करता है, मदद करता है और साझा करता है। उन्होंने यूक्रेन संकट के दौरान कोविड के खिलाफ वैक्सीन, ईंधन और खाद्य मदद का जिक्र किया। साथ ही श्रीलंका को आर्थिक संकट के दौरान की गई मदद की बात कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लिए भारत की ग्रोथ बढ़ती हुई लहर है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकांश पड़ोसी मानते हैं कि अगर भारत बढ़ता है, तो उसके साथ हम भी बढ़ेंगे।

पाक का नाम लिए बगैर निशाना साधा

जयशंकर ने कहा, आपके पास ऐसे पड़ोसी भी हैं और दुर्भाग्य से हमारे पास हैं। ... अगर कोई देश फैसला करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और पश्चाताप के बगैर आतंकवाद बढ़ाना जारी रखेगा, तो हमारे पास आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। और हम इस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम तय करेंगे। कोई हमें यह नहीं कह सकता कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। हमें खुद की रक्षा के लिए जो करना होगा, हम करेंगे। यह कॉमन सेंस है।

उन्होंने कहा, कई सालों पहले हम पानी साझा करने के लिए एक समझौते पर सहमत हुए थे, क्योंकि हमारा मानना था कि यह सद्भावना का संकेत है, क्योंकि एक अच्छे पड़ोसी के तौर पर हम ऐसा कर रहे थे। लेकिन अगर आप दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, तो अच्छे पड़ोसी की भावना नहीं रह जाती है। अगर अच्छे पड़ोसी का भाव नहीं है, तो आपको अच्छे पड़ोसियों वाला फायदा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि प्लीज हमारे साथ पानी शेयर कीजिए, लेकिन हम आतंकवाद को जारी रखेंगे। यह बात हमें मंजूर नहीं है।

एक्वा वर्ल्ड में नव वर्ष के पहले दिन डीजे ग्रुट ने मचाया धमाल

- वर्ष के पहले दिन एक्वा वर्ल्ड में सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ी
- सबसे जल्दी अपनी पत्नी की जूती को चमका कर विकास ने जोरू का गुलाम खिताब जीता

GANDIV REPORTER

रांची। एक्वा वर्ल्ड के द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 में वर्ष के पहले दिन भारी भीड़ उमड़ी। लोग सुबह से लेकर देर रात तक मस्ती और पिकनिक के मूड में दिखे। सैलानियों ने एक्वा वर्ल्ड में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का भरपूर आनंद उठाया।

आज का प्रमुख आकर्षण कोलकाता की डीजे ग्रूट का परफॉर्मेंस था। डीजे ग्रूट ने नए ,पुराने और रीमिक्स गानों से चार घंटे तक लोगों को बांध कर रखा।उनकी परफॉर्मेंस पर उपस्थित लोग थिरकने को मजबूर हो गए। डीजे के कार्यक्रम के कारण लोग देर रात तक एक्वा वर्ल्ड में जमें रहे।

इसके अतिरिक्त आज भी कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं की धूम रही। शुरूआत में लोगों के लिए न्यू ईयर रेजोल्यूशन कंपटीशन रखना रखा गया जिसमें लोगों को नए वर्ष के अपने संकल्प को बताना था। फिर लड़कों के लिए पुश अप चैलेंज था खाने-पीने के कंपटीशन में आज चॉकलेट के साथ मिर्ची की भी बारी थी। लोगों ने आंसू बहा - बहा कर मिर्ची खाया. उपस्थित लोग इसे देखकर लोटपोट हो गए। इसके अतिरिक्त फैमिली कप पिरामिड शोडाउन और वन हैंड लॉलीपॉप मास्टर चैलेंज का भी आयोजन किया गया। जोरू का गुलाम प्रतियोगिता में लोगों ने काफी आनंद उठाया। जिसमें उपस्थित पतियों को अपनी पत्नियों के जूते को चमकाने था। बैकग्राउंड में जोरु का गुलाम गाना भी बज रहा था। विकास में रिकार्ड समय में अपनी पत्नी काजल की जूती को अपने रुमाल से चमका कर जोरू का गुलाम का खिताब जीता। देर रात लकी ड्रा निकाला गया जिसमें एलइडी टीवी के विजेता घोषित किए गए। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव, डॉ विद्या झा, विपुल नायक ,सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार,वसीम आलम,राहुल शाह देव,देव ज्योति नाहा,आनंद नायक, प्रदुमन, उदय, आदि उपस्थित थे।

आज के विजेता

न्यू ईयर रेजोल्यूशन - रौनक
बॉयज पुश अप-बबलू
फैमिली कप पिरामिड-
वन हैंड लॉलीपॉप मास्टर चैलेंज-कुसुम, मनीषा, पूजा
मिर्ची खाओ - सुधा, सिंधु, पुष्पा, डेजी, मनीषा
जोरू का गुलाम- विजेता - विकास, पत्नी काजल।

रिलायंस कार्निवल में 2 जनवरी के कार्यक्रम : किड्स फैशन परेड, फैशन शो (वामस ग्रुप), मिस्ट्री बैग रेस, एंकर गेम, लाफ्टर शो, स्टैचू डांस, आ जा मेरी रिक्शा में बैठ जा, रैप बैटल।

राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में झारखंड को बड़ी जिम्मेदारी

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के लिए यह बहुत खुशी की खबर है। वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में 4 से 11 जनवरी 2026 तक होने वाली 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में झारखंड को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इस प्रतियोगिता का आयोजन वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया कर रहा है। वीएफआई ने झारखंड के चार अनुभवी अधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग काम सौंपी हैं। इससे साफ होता है कि झारखंड के खेल अधिकारियों पर देश भर में भरोसा किया जा रहा है।

झारखंड से चुने गए अधिकारी

शेखर बोस-जूरी कमेटी के सदस्य
सुनील सहाय-कंट्रोल कमेटी के सदस्य
उत्तम राज-प्रतियोगिता के समन्वय कार्य में भूमिका
संजय कुमार-अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल निर्णायक
ये सभी पद प्रतियोगिता को सही, निष्पक्ष और अच्छे तरीके से कराने में बहुत जरूरी होते हैं।

झारखंड के लिए गर्व की बात

यह उपलब्धि झारखंड वॉलीबॉल संघ ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के खिलाड़ियों, कोचों और खेल प्रेमियों के लिए गर्व का विषय है। इससे यह भी साबित होता है कि झारखंड अब खेल खेलने के साथ-साथ खेल संचालन में भी आगे बढ़ रहा है।

सावधान रहे, सुरक्षित रहे, जमीन माफियाओं को न करें नजरअंदाज

मुरी। सिल्ली पंचायत के बिसिरिया पंचायत अन्तर्गत मौजा कुटाम शीट नम्बर-2 की जमीन पर ग्रमीणों ने बोर्ड लगा कर ग्रमीणों को सावधान और सुरक्षित रहने का अहवान किया गया। यह जमीन बिक्री हेतु नहीं है। जमीन माफियाओं को नजरअंदाज न करें। ज्ञात हो कि फर्जी बंशावली बना कर जमीन को बेच डाला। इसको लेकर पंचायत सचिवालय में बासारूली पंचायत के मुखिया की उपस्थिति में ग्रामीण गोलबंद होकर बैठक कर विरोध किया था।

मेघा ने मोटे अनाजों से रचा पोषण और सशक्तिकरण का मॉडल, कई महिलाओं को मिल रहा फायदा

GANDIV REPORTER

रांची। नए और इनोवेटिव आइडियाज के साथ स्टार्टअप की दुनिया में महिलाएं अब सिर्फ भागीदारी नहीं निभा रहीं, बल्कि नेतृत्व भी कर रही हैं। रांची की मेघा पाण्डेय इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिन्होंने ड्राई नट्स और मोटे अनाजों के सहारे न केवल महिलाओं और बच्चों में पोषण की कमी से लड़ने की पहल की, बल्कि कई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी दिखाया है।

सेहत के लिए काफी फायदेमनंद हैं ये लड्डू : आमतौर पर महिलाओं और बच्चों में कुपोषण का खतरा अधिक रहता है। खासकर मध्यम और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए रोजाना महंगे न्यूट्रिशन सप्लीमेंट्स खरीदना आसान नहीं होता। इसी सामाजिक जरूरत को समझते हुए मेघा ने एक ऐसा समाधान निकाला, जो सेहतमंद के साथ किफायती भी है और स्वाद में भी लोगों को पसंद आ रहा है। उन्होंने अपनी महिला टीम के साथ मिलकर ड्राई नट्स, खजूर, तिल, रागी और अन्य मोटे अनाजों से लड्डू और पारंपरिक मिठाइयों का निर्माण शुरू किया। मेघा बताती हैं कि उनके उत्पाद पूरी तरह केमिकल और प्रिजर्वेटिव फ्री हैं। यही वजह है कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक उनके उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। स्वाद और सेहत का यह संतुलन लोगों को खूब भा रहा है। जो काम कभी एक छोटे से प्रयोग के तौर पर शुरू हुआ था, वह आज एक व्यवस्थित स्टार्टअप का रूप ले चुका है। स्टार्टअप को विस्तार करने की तैयारी में जुटी मेघा मेघा के जीवन में यह बदलाव आसान नहीं था। वे बताती हैं कि कुछ समय पहले तक वो घर तक ही सीमित थीं, लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि ऑर्डर पूरे करने के लिए उन्हें दिनभर काम करना पड़ता है। उनके स्टार्टअप की बढ़ती मांग इस बात का संकेत है कि लोग अब सेहत को लेकर जागरूक हो रहे हैं और पारंपरिक, पोषक विकल्पों की ओर लौट रहे हैं। मेघा यहीं रुकने वाली नहीं हैं। वे अपने स्टार्टअप को और विस्तार देने की योजना पर काम कर रही हैं। मखाना और अन्य मोटे अनाजों की मदद से बच्चों के लिए बिस्किट, चिप्स और अन्य हेल्दी स्नैक्स तैयार करने की तैयारी है। उनका उद्देश्य साफ है कि बच्चों को बाजार में उपलब्ध केमिकल युक्त और नुकसानदेह खाद्य पदार्थों से दूर रखना और उन्हें स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराना है।

मुरी-जाने देंगे-कृषि जमीन पर रोड निर्माण के लिए जमीन नहीं देंगे किसानों ने लिया फैसला

- अपने कृषि जमीन पर किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन,
- जबरन जमीन अधिग्रहण व रोड निर्माण का होगा तीखा विरोध - सुफल महतो

GANDIV REPORTER

मुरी। माझीडीह, कुबाडीह, पुरनानगर महेशपुर,खाटंगा,डोमनडीह के प्रभावित किसानों ने अपने कृषि जमीन महेशपुर में हल - कुदाल लिए किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन कर जान देगे- जमीन नहीं देंगे का लिया निर्णय। कृषि जमीन पर रोड निर्माण नहीं चलेगा, जमीन हमारा जान है,जबरन जमीन अधिग्रहण नहीं चलेगा, जमीन अधिग्रहण कानून का उलंघन नही चलेगा, अपने जमीन की रक्षा कौन करेगा - हम करेंगे, अन्नदाता किसानों का जमीन छीनना नहीं चलेगा आदि नारे लग रहे थे।

मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने कहा प्रभावित किसानों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उपायुक्त रांची मंजुनाथ भजंतरी को शत प्रतिशत कृषि जमीन रोड निर्माण के लिए नहीं देने संबंधी ज्ञापन सौंपा गया जा चुका है, उक्त गांवों में ग्राम सभा कर ग्राम सभा का जमीन नहीं देने का फैसला भेजा जा चुका है, पेशा नियमावली लागू होने के बाद बिना ग्राम सभा जमीन अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। किसानों के जमीन का छोटा छोटा टूकड़ा कृषि जमीन जीवन - यापन का मुख्य आधार है। बुंडू बंता रोड चौडीकरण के नाम पर माझीडीह,कुबाडीह,पुरनानगर, महेशपुर,खाटगा,डोमनडीह नये रोड निर्माण की कोशिश का किसान विरोध कर रहे हैं , जमीन अधिग्रहण कानून में 80 प्रतिशत किसानों की सहमति,बजार दर से 4 गुणा मुआवजा या जमीन के बदले जमीन देने के शर्तों का घोर उलंघन कर जबरन जमीन अधिग्रहण की नापाक कोशिश का विरोध लाजमी है। कृषि जमीन अधिग्रहण पर सुप्रीम कोर्ट कई बार सरकार को फटकार लगा चुकीं हैं । झारखंड में मात्र 25 प्रतिशत कृषि जमीन है,इसी तरह कृषि जमीन अधिग्रहण हुआ तो राज्य मे भयंकर खाद्य संकट पैदा हो सकता है। जबरन नापी या चिन्हिकरण का भी विरोध होगा।इस अवसर पर महेशपुर ग्राम प्रधान अक्षय महतो ,खाटंगा ग्राम प्रधान खेदन पातर, मुखिया कृष्ण पातर,कुबाडीह ग्राम प्रधान चंद्रिका प्रसाद गोंझू, नारायण महतो, गोबिंद महतो, पशुपति महतो, कार्तिक महतो,हेमंती देवी बसंती देवी, शीतला देवी, शकुंतला देवी,करूणा देवी, प्रतिमा देवी प्यारी देवी, पुष्पा देवी, चंचला देवी,रंभा देवी, ऊषा देवी, भवानी देवी, रेणुका देवी, सुमित्रा देवी, सिंधु देवी,चांदो देवी,रजो बाला देवी, शीतला देवी,रीता देवी, संपत्ति देवी,ललनी देवी, मुक्ता देवी,शुखंती देवी,कुशल महतो सुचाद महतो,डिबाजन महतो,शंभुनाथ महतो, विशेश्वर महतो, हरिप्रसाद महतो, जनार्दन महतो,मुकेश कुमार महतो, प्रेम नाथ महतो, सर्वेश्वर महतो,उमेश महतो, रूपचन्द्र महतो, राजकुमार महतो,, रोहित महतो, हिरालाल महतो , मुकेश महतो, चमन महतो, भगीरथ महतो, विशेश्वर महतो,अमर महतो, निरंजन अहिर, धनेश अहिर, गणेश अहिर,चिरलोचन महतो, महरम बैठा, रोहित महतो, प्रधान बैठा,जीवन गोझू, राजेन्द्र गोझू,रितेश महतो, जवाहर लाल महतो, दयानंद महतो, राजकुमार महतो, भगीरथ महतो, दिनबंधु महतो, मुकेश महतो, परमेश्वर महतो, पशुपति महतो, लक्ष्मण महतो सहित काफी किसान उपस्थित थे।

पुंदाग में आस्था का महासागर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

GANDIV REPORTER

रांची। नववर्ष के पावन अवसर पर 1 जनवरी 2026 को श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित झारखंड के सबसे विशाल श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में आस्था, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। एक लाख से अधिक भक्तों ने प्रभु श्री राधा रानी एवं श्री कृष्ण के दिव्य दर्शन कर स्वयं को भाव-विभोर अनुभव किया।इस विशेष अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था। प्रभु श्री राधा रानी और श्री कृष्ण का अलौकिक श्रृंगार वृंदावन से विशेष रूप से मंगाए गए जड़ी-मोती जड़ित आभूषणों एवं आकर्षक पोशाकों से किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। श्रृंगार की दिव्यता और सौंदर्य को देखकर भक्त देर तक निहारते रहे और राधे-राधे व जय श्री कृष्ण के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे द्वारा पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रसाद का भोग लगाया गया। कार्यक्रम की भव्यता को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए कोलकाता से पधारे ख्यातिप्राप्त कलाकारों द्वारा नृत्य-नाटिका, कृष्ण लीला, सजीव झांकियां एवं भजन जागरण का मनमोहक आयोजन किया गया। नृत्य-नाटिका के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं, रास लीला और धर्म की स्थापना के प्रसंगों को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों की सजीव प्रस्तुति ने दर्शकों को वृंदावन की अनुभूति करा दी, भजन जागरण में भजन गायक मनीष सोनी एवं उनकी टीम द्वारा गाए गए मधुर भजनों पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूमते नजर आए।मंदिर परिसर में पूरे दिन उत्सव जैसा वातावरण बना रहा।श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था के लिए ट्रस्ट की ओर से विशेष प्रबंध किए गए थे। ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा दर्शन, प्रसाद वितरण एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संभाला गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस पावन अवसर पर मंदिर में 251 किलो केसरयुक्त खीर का महाप्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। केसर की सुगंध और प्रसाद की पवित्रता ने भक्तों के हृदय में विशेष आनंद भर दिया। प्रसाद ग्रहण करते समय श्रद्धालुओं के चेहरे पर संतोष और श्रद्धा की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही थी। ट्रस्ट की प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री कृष्ण प्रणामी महिला समिति की अध्यक्ष विद्या देवी अग्रवाल का 80 वां जन्मदिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया।

हॉकी इंडिया लीग : श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को 4-3 से हराया

GANDIV REPORTER

रांची। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को शूटआउट में 4-3 से मात देकर बोनस अंक अपने नाम किया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मुकाबला शूटआउट में गया। सडन डेथ में लालरेमसियामी ने निर्णायक गोल कर श्राची बंगाल टाइगर्स को जीत दिलाई।

10वें मिनट में स्कोर 1-1 से बराबर था : मैच की शुरूआत तेज रफ्तार से हुई। श्राची बंगाल टाइगर्स ने शुरूआती मिनटों में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। छठे मिनट में अगुस्टिना गोरजेलानी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, एसजी पाइपर्स ने भी तुरंत जवाब दिया और 10वें मिनट में लोला रिएरा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 कर बराबर कर दिया।

बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही। 11वें मिनट में लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए श्राची को फिर बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में गोरजेलानी ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल दागा। एसजी पाइपर्स के लगातार हमलों के बावजूद श्राची की गोलकीपर जेनिफर रिजो ने कई बेहतरीन बचाव किए और हाफ टाइम तक श्राची बंगाल टाइगर्स 3-1 से आगे रही।

59वें मिनट में स्कोर 3-2 था

दूसरे हाफ में एसजी पाइपर्स ने जबरदस्त वापसी की कोशिश की। तीसरे क्वार्टर में टीम ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन श्राची की मजबूत डिफेंस और अनुशासित गोलकीपिंग के कारण कोई गोल नहीं हो सका। चौथे क्वार्टर में भी एसजी पाइपर्स का दबदबा बना रहा और आखिरकार 59वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने कप्तान नवनीत कौर के शॉट को डिफ्लेक्ट कर गोल कर दिया, जिससे स्कोर 3-2 हो गया। मैच के अंतिम क्षणों में एसजी पाइपर्स को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे 60वें मिनट में लोला रिएरा ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद मुकाबला शूटआउट में पहुंचा। शूटआउट में दोनों टीमों ने तीन-तीन गोल किए और स्कोर 3-3 रहा। सडन डेथ में एसजी पाइपर्स अपने मौके भुनाने में नाकाम रही, जबकि लालरेमसियामी ने दबाव में गोल कर श्राची बंगाल टाइगर्स को रोमांचक

झारखंड में दिन सुहावना, रातें सर्द, हल्के कोहरे के बीच तापमान में हल्की उछाल के बाद फिर गिरावट के आसार

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी समेत झारखंड में दिन का तापमान सामान्य से हल्का ऊपर है। वहीं, रात का तापमान कई जगह सामान्य से नीचे है। अगले कुछ दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इस दौरान हल्के से मध्यम धुंध के साथ ठंड से राहत नहीं मिलने वाली है। घना कोहरा केवल छिटपुट इलाकों में ही बनने की संभावना जताई गई है, जबकि रांची शहर में सुबह की धुंध के बाद धूप खिली रहने का अनुमान है।

रांची में अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक, जबकि न्यूनतम 9.4 डिग्री, जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम दर्ज हुआ। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 6.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो कड़ाके की ठंड का संकेत है। जमशेदपुर, डालटनगंज, बोकारो थर्मल और चाईबासा में दिन का तापमान 24-27 डिग्री के बीच और रात का तापमान 7-11 डिग्री के बीच रहा। अधिकांश जगह रात का पारा सामान्य से 1.5-3 डिग्री तक नीचे है।

क्टऊ बुलेटिन के अनुसार झारखंड में अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में लगभग 2-3 डिग्री की धीरे-धीरे बढ़ोतरी, उसके बाद अगले तीन दिनों में फिर से उतनी ही गिरावट की संभावना है। रांची शहर के लिए अगले पांच दिन अधिकतम तापमान लगभग 23-25 डिग्री और न्यूनतम 6-10 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान दिन हल्के गर्म, रातें ठंडी, लेकिन सामान्य सीमा में रहेंगी। पूवार्नुमान के अनुसार 8 जनवरी तक राज्य में न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर की तरफ झुका रह सकता है।

बीते 24 घंटों में झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में 'शैलो से मॉडरेट फॉग' यानी हल्का से मध्यम कोहरा दर्ज हुआ, पर घना कोहरा व्यापक पैमाने पर नहीं बना। राज्य स्तरीय पूवार्नुमान के मुताबिक 2 से 7 जनवरी तक सुबह के समय कई इलाकों में हल्का से मध्यम कोहरा या मिस्ट, दिन में साफ आसमान और शुष्क मौसम बना रहेगा।

बर्थडे से पहले मौत : पेट्रोल लेने पहुंचे युवक को कार ने रौंदा

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची में जन्मदिन की तैयारी कर रहा एक युवक लापरवाह ड्राइवर के रफ्तार का शिकार हो गया। पेट्रोल पंप पर ही लापरवाह कार ड्राइवर ने विवेक नाम के युवक को कुचल दिया। इलाज के दौरान विवेक की मौत हो गई।

नए साल की पूर्व संध्या पर हुए एक दुखद हादसे ने बिरसा चौक में रहने वाले एक परिवार की इकलौती चिराग बुझा दी। रांची के बिरसा चौक, लंका कॉलोनी में रहने वाले ऑटो-रिक्शा ड्राइवर फूलचंद तिर्की के इकलौते बेटे विवेक कुमार तिर्की की 31 दिसंबर की रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, विवेक 31 दिसंबर की रात अपने स्कूटी में पेट्रोल भरवाने के लिए बिरसा चौक स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप पर गया था। उसी समय, एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कार चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद पंप के कर्मियों और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और विवेक को अस्पताल ले गए, लेकिन 1 जनवरी की रात उसकी मौत हो गई। विवेक एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखता था और अपने पिता का इकलौता सहारा था।

एक जनवरी को था जन्मदिन

मृतक विवेक के पिता फूलचंद ने बताया कि दुखद यह है कि 1 जनवरी को उनके बेटे का जन्मदिन भी था। वह अपने जन्मदिन के लिए केक खरीदने घर से निकला था, लेकिन वापस कफन में लौटा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। 2 जनवरी को परिजन और मोहल्ले वाले पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी कार ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। पेट्रोल पंप पर हुई पूरी घटना पंप के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि हादसे के बाद कार ड्राइवर थोड़ी दूर पर अपनी कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। शुक्रवार को परिवार की ओर से थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुट गई है।

झारखंड को अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प के साथ सीएम ने मनाया नववर्ष

GANDIV REPORTER

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड को अग्रणी राज्य में शुमार होने के संकल्प के साथ नए वर्ष का स्वागत किया। कांके रोड स्थित सीएम आवास पर आये राज्य के अधिकारियों और शुभचिंतकों को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्यवासियों को नूतन वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दी और ईश्वर से राज्यवासियों की सुख-समृद्धि, प्रगति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी की सहभागिता से ही झारखंड अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शुमार होगा। राज्य के सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जन-सहभागिता और प्रभावी कार्य संस्कृति के साथ हमारी सरकार विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री आवास पर आज लोगों का तांता लगा रहा। अधिकारी से लेकर सीएम के शुभचिंतकों ने उन्हें नए वर्ष की बधाई दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलनेवालों में राज्यसभा सांसद महुआ माजी, अपर मुख्य सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मस्त राम मीणा, राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, सदस्य राजस्व पर्षद राजीव रंजन, अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छवि रंजन, जियाडा के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन, निदेशक नगरीय प्रशासक, नगर विकास विभाग नैंसी सहाय, विशेष सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी (समन्वय) विभाग राजीव रंजन, आईजी एसटीएफ अनूप बिरथरे, रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन ने मुलाकात की।

इस मौके पर मुख्यमंत्री को सभी ने नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की।

रांची जिले में 6-10 तक व्यापक प्रखंड स्वास्थ्य मेले का आयोजन

रांची। आम लोगों को सुलभ, समेकित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से 6 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक जिले के सभी प्रखंडों में प्रखंड स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जिला स्तर से लेकर प्रखंड और पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य विभाग की पूरी व्यवस्था सक्रिय रहेगी। स्वास्थ्य मेला सभी 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया जाएगा। इन मेलों के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गैर संचारी रोग, संक्रामक रोग, पोषण, कुष्ठ, मलेरिया, फाइलेरिया, परिवार नियोजन और आयुष सेवाओं सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जुड़ी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। स्वास्थ्य मेले में ओपीडी सेवाएं, जांच, परामर्श, दवा वितरण, टीकाकरण, रेफरल और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां संचालित होंगी। इसके साथ ही एनसीडी जांच, टीबी, मलेरिया और कुष्ठ जांच, नेत्र जांच, दंत चिकित्सा, गर्भवती महिलाओं की जांच, बच्चों का टीकाकरण, पोषण परामर्श और परिवार नियोजन सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मेले के सफल आयोजन के लिए जिला स्वास्थ्य समिति, प्रखंड स्वास्थ्य समिति, जनप्रतिनिधियों, सहिया, एएनएम, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। रांची जिले में विभिन्न प्रखंडों में तय तिथियों पर स्वास्थ्य मेला आयोजित होगा।

कल मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती, तैयारियां पूरी

GANDIV REPORTER

रांची। जयपाल सिंह मुंडा, जिन्हें प्रेम और सम्मान से मरांग गोमके यानी सर्वोच्च नेता कहा जाता है, भारतीय इतिहास के ऐसे असाधारण व्यक्तित्व थे जिन्होंने खेल, शिक्षा, राजनीति और सामाजिक न्याय हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। 3 जनवरी को उनकी जयंती है और यह दिन केवल एक महान खिलाड़ी की याद का नहीं, बल्कि आदिवासी अधिकारों, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणादायक विरासत को नमन करने का अवसर भी है। उनका जीवन खेल के मैदान से लेकर संसद के गलियारों तक आदिवासियों के हक और पहचान की लड़ाई का अद्भुत उदाहरण रहा है।

जयपाल सिंह मुंडा का जन्म 3 जनवरी 1903 को वर्तमान झारखंड के खूंटी जिले के तकरा पाहनटोली गांव में एक मुंडा आदिवासी परिवार में हुआ। बचपन में उनका नाम प्रमोद पाहन था। सीमित संसाधनों के बीच जन्मे जयपाल सिंह की प्रतिभा बचपन से ही असाधारण थी। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रांची के सेंट पॉल स्कूल में हुई, जहां उनकी बौद्धिक क्षमता और नेतृत्व गुणों से स्कूल प्रबंधन भी प्रभावित हुआ। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए स्कूल के प्रिंसिपल उन्हें उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड ले गए। वहां उन्होंने प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की, जो उस दौर में किसी आदिवासी युवक के लिए असाधारण उपलब्धि थी।

खेल जगत में जयपाल सिंह मुंडा का योगदान भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। वे बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी थे और 1925 में उन्हें ऑक्सफोर्ड ब्लू का खिताब मिला। यह सम्मान पाने वाले वे पहले और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय हॉकी

खिलाड़ी बने। उनकी खेल प्रतिभा का शिखर 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी की और भारत को ओलंपिक इतिहास का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। यह जीत केवल खेल की नहीं, बल्कि औपनिवेशिक दौर में भारत के आत्मसम्मान की जीत थी। खेल के प्रति उनके समर्पण का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने हॉकी खेलने के लिए अपनी प्रतिष्ठित भारतीय सिविल सेवा की नौकरी तक छोड़ दी, जो उस समय बहुत बड़ा त्याग माना जाता था।

हालांकि जयपाल सिंह मुंडा का योगदान केवल खेल तक सीमित नहीं रहा। आदिवासियों की दयनीय सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को देखकर उन्होंने राजनीति में कदम रखा। 1938 में उन्होंने आदिवासी महासभा की अध्यक्षता संभाली और आदिवासियों के लिए अलग झारखंड राज्य की मांग को मजबूती से उठाया। वे झारखंड आंदोलन के प्रणेता और सबसे प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। उनका मानना था कि आदिवासियों की पहचान, संस्कृति और संसाधनों की रक्षा के लिए अलग राज्य जरूरी है।

जयपाल सिंह मुंडा भारत की संविधान सभा के भी सदस्य रहे। संविधान निर्माण के दौरान उन्होंने आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन और स्वशासन के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाया। उनकी भाषण शैली में दृढ़ता, तर्क और आदिवासी समाज के दर्द की स्पष्ट झलक मिलती थी। वे चाहते थे कि आजाद भारत में आदिवासियों को केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वास्तविक अधिकार और सम्मान मिले।

मरांग गोमके की जयंती को लेकर झारखंड, विशेषकर राजधानी रांची में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। रांची स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम को विशेष रूप से सजाया और संवारा गया है। खेल जगत में इस दिवस को खास महत्व दिया जाता है।

रिम्स निदेशक ने बतायी 2025 की उपलब्धियां व 2026 की तैयारी

GANDIV REPORTER

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान रिम्स में वर्ष 2025 के दौरान चिकित्सा सेवाओं, आधारभूत संरचना, शैक्षणिक विस्तार और प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गईं।रिम्स निदेशक प्रो। डॉ. राज कुमार ने बताया कि संस्थान का प्राथमिक लक्ष्य राज्य के नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग पांच वर्षों के बाद रेडियोलॉजी विभाग के लिए क्षेत्रीय नेत्र संस्थान भवन में अत्याधुनिक 3 टेस्ला एमआरआई मशीन लगाया गया है। वहीं करीब दस वर्षों से लंबित क्षेत्रीय नेत्र संस्थान भवन का निर्माण कार्य भी पूर्ण कराया गया। ऑन्कोलॉजी भवन में 70 बेड क्षमता के अतिरिक्त न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी वार्ड का निर्माण किया गया, जिससे गंभीर मरीजों को राहत मिली है। रिम्स में मरीजों के लिए 24 घंटा 7 दिन पैथोलॉजिकल जांच सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेंट्रल लैब की स्थापना कर उसका संचालन शुरू किया गया। छात्रों की सुविधा के लिए 500 बेड क्षमता वाला छात्रावास भवन तैयार किया गया।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अंतर्गत बीएसएल-3 लैब का निर्माण कराया गया, जिससे उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। चिकित्सकों, छात्रों और रिम्स कर्मियों के लिए नए कैंटीन भवन

का निर्माण भी पूरा किया गया।

निदेशक ने बताया कि रात्रि में महिला चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए पांच ई कार्ट खरीदे गए। डेंटल मरीजों के लिए डेंटल इंस्टिट्यूट के अंतर्गत ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में ओटी कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया।

हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में रिम्स की अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराकर उस पर चहारदीवारी निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया। संस्थान के गेट संख्या 1 और 2 का निर्माण कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।

प्रशासनिक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी वर्ष 2025 अहम रहा। जनहित याचिका में पारित आदेश के अनुपालन में लगभग नौ एकड़ अतिक्रमित भूमि को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से मुक्त कराया गया।

क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के लिए चिकित्सक, नर्सिंग, पैरामेडिकल और अन्य पदों सहित कुल 103 नए पदों का सृजन किया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संस्थान परिसर में 1136 सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई। चिकित्सक शिक्षण संवर्ग और अन्य कर्मचारियों को पदोन्नति, वित्तीय लाभ और सेवा लाभ प्रदान किए गए। विभिन्न विभागों में नियुक्ति, चयन प्रक्रिया, एजेंसी चयन और आउटसोर्सिंग से जुड़े कार्यों में भी तेजी लाई गई।निदेशक प्रो। डॉ। राज कुमार ने बताया कि वर्ष 2026 में रिम्स में मरीजों को और अधिक उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं प्रस्तावित हैं। दवा और सर्जिकल सामग्री की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड का संचालन किया जाएगा। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर नियुक्ति की जाएगी। एमबीबीएस, पीजी, नर्सिंग और सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों की सीटों में वृद्धि का भी प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि ट्रॉमा सेंटर का विस्तार किया जाएगा और नए आईसीयू व ओटी भवनों का निर्माण होगा। कैंसर मरीजों के लिए लिनैक मशीन के अधिष्ठापन की योजना है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए चहारदीवारी, फायर फाइटिंग सिस्टम और गैस पाइपलाइन जैसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

रिम्स निदेशक ने स्पष्ट किया कि संस्थान राज्य सरकार और हाईकोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य कर रहा है। आने वाले समय में रिम्स को पूर्वी भारत के एक अग्रणी चिकित्सा संस्थान के रूप में स्थापित करने के लिए प्रयास जारी रहेगा।

आस्था, साधना और पुण्य का विशेष अवसर है प्रयागराज माघ मेला

अशोक प्रवृद्ध
कथाकार/स्तंभकार

२०२६ में होने वाले इस माघ मेले का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया है, जो ज्योतिषीय गणना और सनातनी परंपरा को दर्शाता है। माघ मेला के प्रतीक चिन्ह में तप, अनुष्ठान और कल्पवास के दर्शन की झलक दिखाई गई है। माघ मेले के इतिहास में पहली बार मेले के दर्शन तत्व को परिलक्षित करते हुए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के स्तर से जारी इस लोगो में तीर्थराज प्रयाग, संगम की तपोभूमि तथा ज्योतिषीय गणना के अनुसार माघ मास में संगम की रेती पर अनुष्ठान करने की महत्ता को समग्र रूप से दर्शाया गया है।

विश्व के सबसे बड़े मेले का आयोजन उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में इस वर्ष 2026 में 3 जनवरी से 15 फरवरी तक होने जा रहा है। उत्तरप्रदेश की सरकार इसको लेकर बड़े पैमाने पर तैयारी करने में लगी है। उत्तरप्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं और बैठकें कर रहे हैं। इस 44 दिवसीय माघ मेला में पुण्य स्नान से लाभ उठाने के लिए 6 प्रमुख तिथियां पड़ रही हैं। पौष पूर्णिमा 3 जनवरी को इस माघ मेला का प्रारंभ होगा। पुण्य स्नान के अन्य प्रमुख तिथियों में मकर संक्रांति 14-15 जनवरी को सूर्य के उत्तरायण होने, मौनी अमावस्या 18 जनवरी, बसंत पंचमी 23 जनवरी को विद्यारंभ और सरस्वती पूजा, माघी पूर्णिमा 1 फरवरी को कल्पवास पूर्ण होने और महाशिवरात्रि 15 फरवरी मेला समापन दिवस शामिल है।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार प्रयागराज में आयोजित होने वाला यह माघ मेला आस्था, साधना और पुण्य का विशेष अवसर है। प्रत्येक वर्ष शीत ऋतु में प्रयागराज की पावन भूमि पर एक ऐसा आध्यात्मिक उत्सव सजता है, जो साधना, सेवा और संस्कार का अनूठा संगम बन जाता है। माघ मेला 2026 भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने आ रहा है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर लगने वाले इस मेले को इस बार महामाघ मेला भी कहा जा रहा है। हिन्दू धर्म में यह मेला श्रद्धालुओं के लिए आत्मशुद्धि और पुण्य अर्जन का विशेष अवसर माना जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए इस बार लगभग 8 किलोमीटर लंबा अस्थायी स्नान घाट तैयार किया गया है। गंगा और यमुना के किनारे बने इन घाटों पर बैरिकेटिंग की व्यवस्था है, ताकि कोई भी गहरे पानी की ओर न जा सके। घाटों को मजबूत बनाने के लिए रेत से भरी सीमेंट बोरियों का प्रयोग किया गया है। इससे संगम नोज पर भीड़ का दबाव कम होगा और स्नान व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी। इस वर्ष का यह मेला खास इसलिए भी है, क्योंकि यह महाकुंभ 2025 के बाद पहला बड़ा धार्मिक आयोजन हो रहा है। प्रशासन इसे मिनी कुंभ के स्वरूप में आयोजित कर रहा है। अनुमान है कि देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचेंगे और संगम स्नान का पुण्य लाभ लेंगे।

2026 में होने वाले इस माघ मेले का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया है, जो ज्योतिषीय गणना और सनातनी परंपरा को दर्शाता है। माघ मेला के प्रतीक चिन्ह में तप, अनुष्ठान और कल्पवास के दर्शन की झलक दिखाई गई है। माघ मेले के इतिहास में पहली बार मेले के दर्शन तत्व को परिलक्षित करते हुए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के स्तर से जारी इस लोगो में तीर्थराज प्रयाग, संगम की तपोभूमि तथा ज्योतिषीय गणना के अनुसार माघ मास में संगम की रेती पर अनुष्ठान करने की महत्ता को समग्र रूप से दर्शाया गया है। लोगो में सूर्य और चंद्रमा की 14 कलाओं की उपस्थिति, ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य, चंद्रमा और नक्षत्रों की स्थितियों को प्रतिबिंबित करती है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा 27 नक्षत्रों की परिक्रमा लगभग 27.3 दिनों में पूर्ण करता है। माघ मेला इन्हीं नक्षत्रीय गतियों की सूक्ष्म गणना पर आधारित है। जब सूर्य मकर राशि में होता है और पूर्णिमा के दिन चंद्रमा माघी या अश्लेषा- पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रों के समीप होता है, तब माघ मास बनता है और उसी काल में माघ मेला आयोजित होता है। चंद्रमा की 14 कलाओं का संबंध मानव जीवन, मनोवैज्ञानिक ऊर्जा और आध्यात्मिक साधना से माना जाता है। माघ मेला चंद्र ऊर्जा की इन कलाओं के सक्रिय होने का विशेष काल भी है। प्रयागराज का अविनाशी अक्षयवट, जिसकी जड़ों में भगवान ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु और शाखाओं में भगवान शिव का वास माना जाता है, उसके दर्शन मात्र से मोक्ष मार्ग सरल हो जाता है। इसी कारण कल्पवासियों के लिए उसका स्थान अत्यंत विशेष है। सनातन धर्म के अनुसार मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है। इसलिए लोगो में महात्मा का चित्र इस देवभूमि की सनातनी परंपरा को दशार्ता है, जहां ऋषि-मुनि सदियों से आध्यात्मिक ऊर्जा की साधना के लिए आते रहे हैं। माघ मास में किए गए पूजन और कल्पवास का पूर्ण फल संगम स्नान के बाद लेटे हुए हनुमान के दर्शन से प्राप्त होता है। इसलिए लोगो पर उनका मंदिर और पताका की उपस्थिति माघ मेले के तप और साधना की पूर्णता को दशार्ती है। संगम पर साइबेरियन पक्षियों की उपस्थिति यहां के पर्यावरण की विशेषता को दशार्ती है।

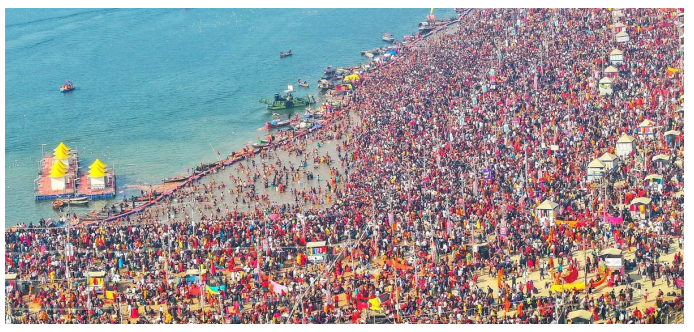

पौराणिक, लौकिक व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माघ मास में संगम पर स्नान करने से जन्मों के पापों का क्षय होता है। यह समय साधना, जप, तप और दान के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना गया है। मान्यता है कि माघ स्नान से ग्रह दोष शांत होते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। संतों का सान्निध्य, प्रवचन और भजन वातावरण को आध्यात्मिक बना देते हैं। माघ मास की ठंडी सुबह में गंगा स्नान को स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी माना जाता है। मान्यता है कि संगम का जल हिमालय से आने वाली प्राकृतिक औषधियों से युक्त होता है। इससे शरीर में स्फूर्ति आती है, त्वचा को लाभ मिलता है और मन को गहरी शांति का अनुभव होता है। नियमित स्नान और संयमित जीवन शैली मानसिक तनाव को कम करने में सहायक मानी जाती है।

उल्लेखनीय है कि गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम तट पर प्रयागराज में प्रतिवर्ष लगने वाला माघ मेला एक विशाल आध्यात्मिक और धार्मिक पर्व है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु मां गंगा में स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं। और सभी के जीवन को सुख, समृद्धि और आरोग्यता के अमृत से अभिसिंचित करने, चराचर जगत के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। पौराणिक ग्रंथों और ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार प्रयाग का माघ मेला विश्व का सबसे बड़ा मेला है। सृष्टि के सृजनकर्ता भगवान ब्रह्मा द्वारा इसे तीर्थ राज अथवा तीर्थस्थलों का राजा कहा गया है, जिन्होंने तीन पवित्र नदियों गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम पर प्राकृष्ट यज्ञ संपन्न किया था। माघ मेला प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर प्रयागराज के साथ ही उत्तरकाशी, हरिद्वार आदि स्थलों पर भी लगता है। यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण आयोजन है। इस मेले में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक भाग लेते हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के अन्य हिस्सों से भी बड़ी संख्या में लोग आते हैं। माघ मेला हिन्दुओं का सर्वाधिक प्रिय धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेला है। यह भारत के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों में भी मनाया जाता है। नदी या सागर स्नान इसका मुख्य उद्देश्य होता है। धार्मिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा पारंपरिक हस्त शिल्प, भोजन और दैनिक उपयोग की स्थानीय पारंपरिक वस्तुओं की बिक्री भी की जाती है। धार्मिक महत्त्व के अतिरिक्त यह मेला एक विकास मेला भी है तथा इसमें राज्य सरकार विभिन्न विभागों के विकास योजनाओं को प्रदर्शित करती है। प्रयाग, उत्तरकाशी, हरिद्वार इत्यादि स्थलों का माघ मेला प्रसिद्ध है। मान्यता है कि माघ के धार्मिक अनुष्ठान के फलस्वरूप प्रतिष्ठानपुरी के नरेश पुरुरवा को अपनी कुरूपता से मुक्ति मिली थी। वहीं भृगु ऋषि के सुझाव पर व्याघ्रमुख वाले विद्याधर और गौतम ऋषि द्वारा अभिशप्त इंद्र को भी माघ स्नान के महात्म्य से ही श्राप से मुक्ति मिली थी। पद्म पुराण के अनुसार माघ स्नान से मनुष्य के शरीर में स्थित उपाताप जलकर भस्म हो जाते हैं। इस प्रकार माघ मेले का धार्मिक, आध्यात्मिक महत्त्व भी है।

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

ललित गर्ग

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतजार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी।

दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इजराइल-फिलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है।

भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है। हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मयार्दाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने।

जारी

झारखंड

दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, एक युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, एक पुलिसकर्मी भी घायल

GANDIV REPORTER

धनबाद। पुटकी थाना क्षेत्र के पासी धौड़ा में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों तरफ से लाठी-डंडे और पत्थर चले। यह विवाद पुरानी दुश्मनी और खाने-पीने को लेकर हुए झगड़े से शुरू हुआ और हिंसा में बदल गया। दोनों गुटों के बीच पहले से चले आ रहे झगड़े के कारण हुई इस जोरदार लड़ाई में रवि कुमार पासी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया, जिससे उसका सिर फट गया। उसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद दोनों गुटों के लोग एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंकने लगे।

इलाके में तोड़फोड़ भी हुई। पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है। सूचना मिलने पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को स्थिति को काबू करने में काफी मुश्किल हुई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए इलाके को पुलिस छावनी में बदल दिया गया है और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बीच, रवि पासी के पिता बद्री पासी ने बताया कि उनका बेटा घर के बाहर चाय पी रहा था, तभी कुछ लोगों ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन ने बताया कि पानी की टंकी के पास एक गुट के लोगों ने रवि पासी के साथ मारपीट की। जिसमें रवि पासी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद दोनों गुटों के बीच पत्थरबाजी हुई। इस घटना में एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश के कारण हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

लोहरदगा में लाइनमैन की मौत, गुस्साए लोगों ने रेलवे ट्रैक किया जाम, हजारों यात्री फंसे

GANDIV REPORTER

लोहरदगा। लोहरदगा-रांची रेल लाइन पर लोहरदगा में मालगाड़ी की चपेट में आकर एक लाइनमैन की मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। मुआवजे की मांग को लेकर उग्र ग्रामीणों ने गुरुवार की शाम लोहरदगा-रांची रेलखंड को पूरी तरह बाधित कर दिया, जिसके चलते दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और रांची-सासाराम एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर फंस गईं। इससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मृतक लाइनमैन की पहचान लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र के नगजुआ गांव निवासी 50 वर्षीय वासुदेव उरांव के रूप में हुई है, जो रेलवे में एडहॉक पर कार्यरत थे। ग्रामीणों ने गुरुवार शाम को लोहरदगा- रांची मेमू ट्रेन (आरएल 6) को नगजुआ के समीप रोक दिया। ग्रामीणों ने नगजुआ के पास लाल झंडा लगाकर रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया है और स्वयं ट्रैक पर धरने पर बैठ गए हैं।

गैंगस्टर प्रिंस खान का शूटर गिरफ्तार, सोना कारोबारी पर फायरिंग का था प्लान, विदेश में रची गई थी साजिश

GANDIV REPORTER

पलामू। प्रिंस खान के शूटर शाहरुख अली को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शाहरुख अली के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा गोली बरामद किया गया है। गिरफ्तार शूटर पलामू के मेदिनीनगर में सोना कारोबारी पर फायरिंग करने वाला था। फायरिंग की साजिश कुवैत में रची गई थी, जिसमें शाहरुख अली का भांजा मोहम्मद आतिफ भी शामिल है। इसकी पुष्टि पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने की है।

दरअसल, पलामू पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी क्रम में एक बाइक सवार को रोका गया था। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने दौड़ा कर बाइक सवार को पकड़ लिया। बाइक सवार के पास से एक देशी कट्टा और गोली बरामद हुआ था। बाइक सवार युवक की पहचान शाहरुख अली के रूप में हुई थी। शाहरुख अली मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के पहाड़ी मोहल्ला का रहने वाला है। शाहरुख ने पुलिस को बताया है कि वह प्रिंस खान के कहने पर सोना कारोबारी रंजीत सोनी की दुकान पर फायरिंग की घटना को अंजाम देने वाला था।

दरअसल, पलामू में सोना कारोबारी रंजीत सोनी से गैंगस्टर प्रिंस खान ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र से 25 दिसंबर को प्रिंस खान के दो शूटर मोहम्मद नाजीम और मुर्तजा अंसारी को गिरफ्तार किया था। दोनों की गिरफ्तारी के बाद प्रिंस खान ने शाहरुख खान से संपर्क किया था। शाहरुख खान सोना कारोबारी रंजीत सोनी के प्रतिष्ठान पर फायरिंग की घटना को अंजाम देने वाला था। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि शाहरुख अली का भांजा मोहम्मद आतिफ कुवैत में है। कुवैत में ही प्रिंस खान ने आतिफ से संपर्क किया था। आतिफ के कहने पर 30 हजार में शाहरुख ने हथियार खरीदा था। सोशल मीडिया पर शाहरुख और आतिफ ने प्रिंस खान से जुड़ा पोस्ट शेयर किया था। पुलिस द्वारा पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। पुलिस की कार्रवाई में सब इंस्पेक्टर तंजीलूल मन्नान मनौवर, नीरज कुमार, अनंत कुमार सिंह, टीओपी 1 के प्रभारी इन्द्रदेव पासवान समेत कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

चुनौतियों के बावजूद मजबूत हो रही है भारत की अर्थव्यवस्था : टी वी नरेंद्रन

GANDIV REPORTER

जमशेदपुर। टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने केक काटकर शहरवासियों को नए साल की बधाई दी। मीडिया से बातचीत के दौरान टाटा स्टील के एमडी ने बताया कि जमशेदपुर स्टील कंपनी में कोयला की खपत कम हो, इसके लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य कई नई तकनीक का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव पारित है। चीन सरकार की नीति और उनके सहयोग के कारण चीन उत्पादित स्टील का कारोबार कम प्रॉफिट में भी चल रहा जो भारत ही नहीं विश्व बाजार के लिए चुनौती है। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस परिसर में टाटा स्टील के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन ने केक काटकर शहर वासियों को नए साल की बधाई दी है। इस दौरान टाटा स्टील के वीपीसीएस डीबी सुदररामम, डॉ. टीजी मुखर्जी के अलावा कई वरीय अधिकारी और चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष, कई प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे।

शहर वासियों को बधाई देने के बाद टाटा स्टील के एमडी ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि विश्व बाजार में कई चुनौतियां हैं। इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार तेजी से मजबूत हो रहा है। स्टील प्रोडक्शन सेक्टर में चीनी सरकार की नीतियों और सपोर्ट की वजह से चीनी स्टील मार्केट कम मुनाफे के बावजूद काम करता रहा है, जो ग्लोबल मार्केट के लिए एक चुनौती है।

टाटा स्टील वर्तमान विश्व बाजार को देखते हुए हर चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। 100 साल से ज्यादा पुरानी टाटा स्टील कंपनी ने पिछले 10 सालों से डिजिटल के क्षेत्र में काफी इन्वेस्ट किया है। कंपनी अकके क्षेत्र में काम कर रही है। 500 से ज्यादा एआई मॉडल का इस्तेमाल किया जा रहा है।

चीन का लाभ 5 सालों में 5% से ज्यादा नहीं रहा लेकिन वहां की सरकार की मदद और रुल के कारण वहां की इंडस्ट्री फायदेमंद है। भारत में स्टील की डिमांड ज्यादा है लेकिन स्टील की कोई भी नई इंडस्ट्री नहीं आई है।

यूरोपियन ऑपरेशन पर असर पड़ा है

उन्होंने बताया कि मजबूत डिमांड और सप्लाई के बावजूद 2025 में भारत में स्टील की कीमतें पिछले पांच सालों में सबसे कम रहीं। पिछला साल कई वजहों से चुनौतीपूर्ण रहा, जिसमें दुनिया भर में उठाए गए कदमों की वजह से ग्लोबल ट्रेड के मुद्दे और भी मुश्किल होते गए। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील समेत घरेलू स्टील सेक्टर पर असर नहीं पड़ा है, लेकिन यूरोप और अमेरिका से स्टील पर निर्यात शुल्क लगने की वजह से टाटा स्टील के यूरोपियन ऑपरेशन पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि चीन 100 मिलियन टन से ज्यादा स्टील एक्सपोर्ट कर रहा है। एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा हालांकि चीन से भारत में ज्यादा स्टील नहीं आ रहा है, लेकिन उसने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि खराब अंतर्राष्ट्रीय बाजार की वजह से हम ज्यादा प्रोडक्शन के बावजूद एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

मुंह की बदबू करती है शर्मिंदा? यह पांच घरेलू देसी नुस्खे जड़ से खत्म करेंगे समस्या

सांसों की बदबू, ना सिर्फ आपका आत्मविश्वास कमजोर करती है बल्कि दूसरों के सामने आपको शर्मिंदा भी कर सकती है। ऐसा नहीं है कि मुंह से बदबू सिर्फ अच्छी तरह ब्रश ना करने की वजह से ही आती है। कई बार दो टाइम ब्रश करने के बाद भी यह समस्या व्यक्ति को परेशान कर सकती है। जिसका संबंध आपके टूथपेस्ट या ब्रश में ही बल्कि आपके खान-पान से भी जुड़ा हुआ हो सकता है। अगर आप भी सांसों की बदबू से परेशान रहते हैं तो ये 5 देसी घरेलू नुस्खे आपकी परेशानी को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

सौंफ और दालचीनी

सौंफ सिर्फ एक माउथ फ्रेशनर नहीं है, बल्कि इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंह में बदबू पैदा करने वाले कीटाणुओं को खत्म करने में भी मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए खाना खाने के बाद आधा चम्मच सौंफ चबाएं। आप दालचीनी के एक छोटे टुकड़े को पानी में उबालकर उस पानी से कुल्ला भी कर सकते हैं, यह मुंह के बैक्टीरिया को तुरंत मारकर सांसों की बदबू को दूर करने में मदद करता है।

च्युइंग गम चबाएं

मुंह की बदबू से बचने के लिए शुगर-फ्री च्युइंग गम चबाना भी फायदेमंद हो सकता है। च्युइंग गम चबाने से लार का स्राव बढ़ता है, जिससे मुंह सूखता नहीं और सांस में फ्रेशनेस बनी रहती है।

जीभ की सफाई

कई बार लोग दांतों की सफाई तो करते है लेकिन जीभ साफ करना भूल जाते हैं। जीभ पर जमने वाली सफेद परत भी मुंह की बदबू का सबसे बड़ा कारण होती है। ऐसे में हर रोज सुबह ब्रश करने के बाद ह्यटंग क्लीनरह्व से जीभ को भी जरूर साफ करें। ऐसा करने से मुंह में बदबू पैदा करने वाले 80 प्रतिशत बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं।

हल्दी और नमक से करें ब्रश

अगर मुंह से बदबू आ रही है, तो अपने टूथपेस्ट में 1 चुटकी हल्दी, नमक और सरसों का तेल मिलाकर ब्रश पर लगाएं और हल्के हाथ से ब्रश करें। हफ्ते में 2 बार ऐसा करने से मुंह में मौजूद बैक्टीरिया कम होते हैं और बदबू धीरे-धीरे खत्म होने लगती है।

नमक के पानी से गरारे

यह बेहद पुराना और वैज्ञानिक तरीका है। नमक का पानी मुंह के स्रल्ह लेवल को संतुलित करके गले व मसूड़ों में छिपे बैक्टीरिया का सफाया करता है। इस उपाय को करने के लिए गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर रात को सोने से पहले गरारे करें।

वेट लॉस से लेकर ग्लोइंग स्किन तक, यह हैं सर्दियों में पाया सूप पीने के पांच फायदे

सर्दियां में मन कुछ चटपटा, तीखा और गर्मा-गर्म खाने का करने लगता है। अपनी इस क्रेविंग को पूरा करने के लिए लोग कई बार जंक फूड का सहारा लेते हैं। लेकिन आज आपको विंटर स्पेशल एक ऐसी खास चीज बताने जा रहे हैं, जो ना सिर्फ टेस्टी होने के साथ आपकी क्रेविंग को शांत करेगी बल्कि सेहत और खूबसूरती से जुड़े कई फायदे भी देगी। जी हां, इस जादुई चीज का नाम है पाया का सूप। मिनरल्स और विटामिन से भरपूर पाया का सूप शरीर में गर्माहट बनाए रखने के साथ सर्दी-जुकाम और मोटापा को भी दूर रखने में मदद करता है। आइए जानते हैं पाया का सूप पीने से सेहत को मिलते हैं क्या फायदे।

सूप पीने से सेहत को मिलते हैं ये फायदे

मजबूत हड्डियां

पाया सूप में मिनरल्स, फास्फोरस, मैग्नीशियम, कैल्शियम, सोडियम, फ्लोराइड और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों की अच्छी मात्रा मौजूद रहती है। जिससे हड्डियां मजबूत बनी रहती हैं।

वेट लॉस

इस सूप में कैलोरी की मात्रा काफी कम और जिलेटिन की मौजूदगी पेट को लंबे समय तक भरा रखकर भूख को कंट्रोल करने में मददगार है। एक्सपर्ट की मानें तो नियमित रूप से पाया सूप का सेवन करने से वजन को कम किया जा सकता है।

सूजन करें कम

न्यूट्रीशन जर्नल पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक, पाया सूप के पीने से शरीर की सूजन को कम किया जा सकता है। बोन ब्रोथ में मौजूद एमिनो एसिड सूजन को कम करने में फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद एल-ग्लूटामाइन आंतों की सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है।

जुकाम से राहत

पाया सूप में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाया जाता है, जो सर्दी के लक्षणों को कम करने में आपकी मदद करता है।

ग्लोइंग स्किन

पाया सूप पीने से त्वचा पर निखार आता है। पाया सूप में मौजूद कोलेजन और यलुरोनिक एसिड त्वचा की लोच बढ़ाकर झुर्रियों की समस्या को कम करने में मदद करते हैं।

क्रिस्पी ब्रेड रोल

ब्रेड रोल ऐसे स्नैक्स हैं जिन्हें आप दिन के किसी भी समय बनाकर खा सकते हैं। इसकी कुरकुरी बाहरी परत और नरम भीतरी हिस्सा इसे बच्चों और बड़ों दोनों के लिए एक पसंदीदा बनाता है। आप इसे नाश्ते, दोपहर के नाश्ते या शाम के नाश्ते के रूप में भी परोस सकते हैं।

बनाने की विधि

ब्रेड रोल बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। इसके बाद एक बड़े बाउल में दूध, अंडा, चीनी, नमक, पिघला हुआ मक्खन या घी, दालचीनी, किशमिश और अखरोट डालकर अच्छी तरह मिला लें। फिर ब्रेड के टुकड़ों को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिला लें। ध्यान रखें कि ब्रेड के टुकड़े पूरी तरह से मिश्रण में भीग जाएं। इस मिश्रण को 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि ब्रेड के टुकड़े मिश्रण को सोख लें।

एक बेकिंग ट्रे पर चर्मपत्र कागज बिछाएं। इस मिश्रण को एक लंबे आयताकार आकार में फैलाएं। फिर इसे धीरे से रोल करें। पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 डिग्री सेल्सियस पर 20-25 मिनट तक बेक करें। बेक होने के बाद रोल को थोड़ा ठंडा होने दें और फिर मलाई से सजाएं।

सामग्री : ब्रेडः 1 पाव या 8-10 स्लाइस, दूधः 1 कप, अंडाः 1, चीनीः 2-3 टेबलस्पून, नमकः 1/4 चम्मच, मक्खन या घीः 2 टेबलस्पून (पिघला हुआ), दालचीनीः 1/2 चम्मच (पाउडर) किशमिशः 1/4 कप (धुली हुई), अखरोटः 1/4 कप (बारीक कटा हुआ), मलाईः सजाने के लिए

राजस्थान के पांच हिल स्टेशन मनाली-शिमला को देंगे टक्कर

सर्दी का मौसम में पहाड़ों की यात्रा का ख्याल आता है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे स्थानों पर अक्सर भारी भीड़ और ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप सर्दियों का आनंद लेना चाहते हैं, तो राजस्थान के ये 5 हिल स्टेशन आपके लिए परफेक्ट हैं। यहां न सिर्फ खूबसूरत नजारे मिलेंगे, बल्कि आप शांति और आराम भी अनुभव करेंगे।

1. माउंट आबू

राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशन माउंट आबू अपने हरे-भरे परिदृश्य और वास्तुकला के लिए जाना जाता है। अरावली पर्वत की गोद में बसे इस हिल स्टेशन पर हर साल हजारों पर्यटक आते हैं। कपल्स के लिए यह खास आकर्षण है। यहां घूमने के लिए नक्की झील, सनसेट पॉइंट और दिलवाड़ा मंदिर प्रमुख स्थान हैं।

2. गुरु शिखर

गुरु शिखर, जिसे गुरु की चोटी कहा जाता है, माउंट आबू के करीब स्थित है। यह स्थान शांति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। भगवान दत्तात्रेय से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं के कारण इसका धार्मिक महत्व भी है। दत्तात्रेय मंदिर और गुरु शिखर चोटी यहां के मुख्य आकर्षण हैं।

3. सज्जनगढ़

सज्जनगढ़ महल, जिसे मानसून पैलेस भी कहा जाता है, अपने राजसी वास्तुशिल्प और लुभावने दृश्यों के लिए मशहूर है। यहां से फतेह सागर झील और अरावली की पर्वत श्रृंखलाओं के अद्भुत दृश्य देखे जा सकते हैं। यह स्थान राजस्थान के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है।

4. अचलगढ़

अरावली की पहाड़ियों में बसा अचलगढ़, माउंट आबू से मात्र 11 किमी दूर है। शांति और रोमांच का यह बेहतरीन संगम है। यहां के प्रमुख आकर्षण हैं अचलगढ़ किला, मंदाकिनी झील और अचलेश्वर महादेव मंदिर। ट्रैकिंग के शौकीन लोगों के लिए भी यह स्थान खास है।

5. रणकपुर

अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित रणकपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। यहां के जैन मंदिर और कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। रणकपुर जैन मंदिर, चामुखा मंदिर और कुंभलगढ़ किला यहां के मुख्य आकर्षण हैं। अगर आप इस सर्दी में बिना भीड़-भाड़ के शांति और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना चाहते हैं, तो राजस्थान के ये हिल स्टेशन आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

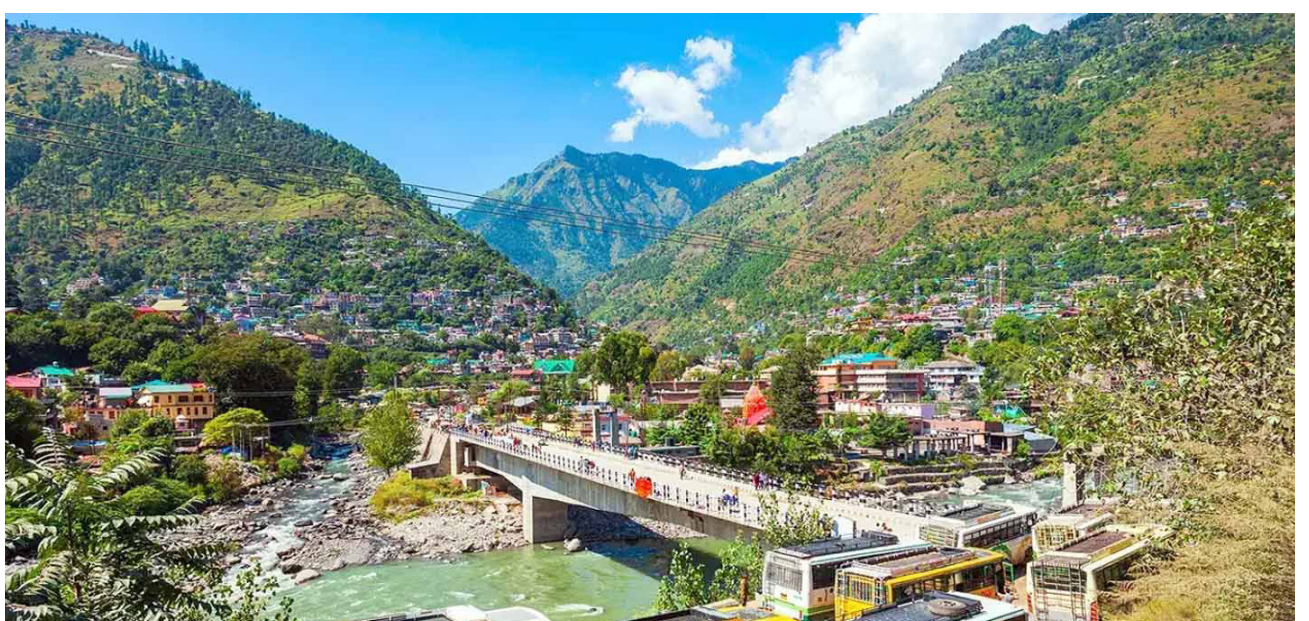

कल से पौष पूर्णिमा से प्रयागराज माघ मेला शुरू होगा। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी और एक फरवरी को माघी पूर्णिमा का स्नान है।

वाइको की पदयात्रा, सीएम स्टालिन दिखाएंगे हरी झंडी, द्रविड़ शासन की सफलता पर जोर

GANDIV REPORTER

चेन्नई। एमडीएमके महासचिव वाइको तिरुचिरापल्ली से समथुवा नडाई पायनम (समानता के लिए पदयात्रा) शुरू कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है, यह यात्रा तमिलनाडु के सीएम स्टालिन द्वारा हरी झंडी दिखाए जाने के साथ शुरू होगी और मदुरै में समाप्त होगी। यह पदयात्रा आगामी राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच एक महत्वपूर्ण सामाजिक-राजनीतिक पहल के रूप में देखी जा रही है, जो राज्य में लोगों का ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद है।

एमडीएमके के महासचिव वाइको शुक्रवार को तिरुचिरापल्ली से अपनी ह्यसमथुवा नडाई पयानमह्न (समानता के लिए पदयात्रा) शुरू करेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम. के. स्टालिन औपचारिक रूप से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। इस पदयात्रा का उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बढ़ावा देना है और यह तमिलनाडु के कई जिलों से होकर गुजरेगी। इसका समापन 12 जनवरी को मदुरै में होगा।

आयोजित कार्यक्रम में वीसीके प्रमुख थिरुमावलवन सांसद, एमडीएमके के प्रधान सचिव दुरई वाइको सांसद, तमिलनाडु के मंत्री के.एन. नेहरू और अंबिल मगेष पोय्यामोझी के साथ-साथ अन्य गठबंधन दलों के नेता और कार्यकर्ता शामिल होने की उम्मीद है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह यात्रा राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक पहल है और संभवतः समर्थकों और राजनीतिक विश्लेषकों दोनों का ध्यान आकर्षित करेगी।

इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 26 दिसंबर को कल्लकुरुची जिले में 1,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि द्रविड़ शासन प्रणाली के तहत तमिलनाडु समावेशी विकास का एक आदर्श उदाहरण बनकर उभरा है। वीरचोलपुरम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए स्टालिन ने 386.48 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी, 341.77 करोड़ रुपये की पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 1045.41 करोड़ रुपये की सरकारी कल्याणकारी सहायता प्रदान की। सरकार के विभिन्न विभागों के अंतर्गत कुल 1,773 करोड़ 68 लाख रुपये की परियोजनाएं पूरी हुईं, 1,773 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं की नींव रखी गई और कल्याणकारी योजनाएं प्रदान की गईं।

गोलियों की तड़तड़ाहट से सहमा खगौल

कुख्यात मैनेजर राय के साथ पुलिस का एनकाउंटर

GANDIV REPORTER

पटना। खगौल थाना क्षेत्र के खगौल में पुलिस और अपराधी के बीच एनकाउंटर हुआ है। अपराधी को पुलिस ने गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात घेर लिया। लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। लेकिन वो ये भूल गया कि अब पुलिस के तेवर पूरी तरह से बदल चुके हैं। लिहाजा पुलिस ने उसे वहीं पर गिरा दिया।

पटना में एनकाउंटर : ये सबकुछ दानापुर अनुमंडल के खगौल थाना क्षेत्र अंतर्गत खगौल इलाके में हुआ। यहां पुलिस और कुख्यात अपराधी के बीच शुक्रवार देर रात मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस की चलाई गोली अपराधी लगी और वो जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। घायल अपराधी की पहचान दीदारगंज के कुख्यात मैनेजर राय के रूप में हुई है।

कुख्यात मैनेजर राय को पुलिस ने मारी गोली : पुलिस सूत्रों के अनुसार, मैनेजर राय साल 2022 में खगौल थाना क्षेत्र में हुए डॉ. मो. अनावर आलम हत्याकांड में शामिल रहा है। इसके अलावा उस पर रंगदारी, लूट, हत्या और अन्य संगीन आपराधिक मामलों सहित करीब एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। लंबे समय से पुलिस को उसकी तलाश थी।

घेरा तो शुरू कर दी थी फायरिंग बताया जा रहा है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मैनेजर राय खगौल इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की। खुद को घिरता देख अपराधी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अपराधी घायल हो गया। इसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस को मौके से हथियार भी मिले : घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मौके से हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद करने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और अपराधी के आपराधिक नेटवर्क की भी पड़ताल की जाएगी।

ईरान में नए साल की शुरूआत के साथ हिंसक हुए प्रदर्शन, 6 लोगों की मौत

GANDIV REPORTER

तेहरान। ईरान में लगभग एक सप्ताह पहले शुरू हुए विरोध प्रदर्शन नए साल की शुरूआत के साथ हिंसक हो गए हैं। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने ईरानी मीडिया और मानवाधिकार समूहों के हवाले से रिपोर्ट में बताया है कि इन प्रदर्शनों में कम से कम छह लोग मारे गए हैं। गुरुवार को नए साल की शुरूआत पर प्रदर्शन ईरान के ग्रामीण इलाकों में फैल गए। पूरे देश में सड़कों पर सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं हैं। ईरानी मीडिया ने बताया है कि तेहरान के पश्चिमी इलाके में अधिकारियों ने शांति व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में 30 लोगों को गिरफ्तार किया है।

रिपोर्टों के मुताबिक ये मौतें तीन शहरों में हुईं, जहां मुख्य रूप से ईरान के लूर जातीय समूह के लोग रहते हैं। इनमें से एक मौत बुधवार को जबकि 5 लोग गुरुवार को मारे गए। सबसे ज्यादा हिंसा ईरान के लोरेस्तान प्रांत के एक शहर अजना में हुई। यह तेहरान से लगभग 300 किमी दक्षिण-पश्चिम में है। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो में सड़कों पर जलती हुई चीजें और गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं।रजा पहलवी के समर्थन में नारेबाजी

इसके अलावा यूनिवर्सिटी के छात्र तेहरान की सड़कों पर उतर आए और तानाशाह मुदार्बाद के नारे लगाए। साथ ही उन्होंने दिवंगत शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे रजा पहलवी के समर्थन में भी नारे लगाए, जिन्हें 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान सत्ता से हटा दिया गया था। वहीं, अमेरिका में निर्वासन में रह रहे रजा पहलवी ने पर लिखा, मैं आपके साथ हूं। जीत हमारी होगी क्योंकि हमारा मकसद सही है और क्योंकि हम एकजुट हैं। उन्होंने आगे कहा, जब तक यह सरकार सत्ता में रहेगी, देश की आर्थिक स्थिति खराब होती रहेगी।

तीन साल में सबसे बड़ा प्रदर्शन

इस्लामिक देश ईरान में बढ़ती महंगाई को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन तीन साल में सबसे बड़े हैं। इसके पहले महसा अमिनी की मौत के बाद 2022 में बड़े प्रदर्शन हुए थे, जो देश भर में फैल गए थे। इस समय चल रहे प्रदर्शन भी देश भर में फैल रहे हैं। लोरेदेगान, कुहदाश्त और इस्फहान में मौत होने की खबरे हैं। अर्धसरकारी न्यूज एजेंसी फार्स ने लोरदेगान में दो मौत की खबर दी है। वहीं, अधिकारियों ने कुहदाश्त में कम से कम एक मौत और इस्फहान प्रांत में एक और मौत की पुष्टि की है।हिंसक विरोध प्रदर्शन ईरानी धार्मिक नेतृत्व के लिए बहुत मुश्किल समय में हुए हैं। पश्चिमी प्रतिबंधों ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे दिसम्बर में महंगाई 42.5% तक पहुंच गई है। जून में हुए इजरायल के साथ 12 दिन के युद्ध के बाद देश के नेता अभी भी सदमे में हैं। इस युद्ध के दौरान अमेरिका ने भी ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी की थी।

19 राज्यों में घर बैठे डाउनलोड कर सकेंगे जमीन के कागजात, खरीद-बिक्री और

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। अब देश के 19 राज्यों के नागरिक अपने जमीन के कागजात (लैंड रिकॉर्ड) घर बैठे डिजिटल रूप में डाउनलोड कर सकेंगे। ये कागज कानूनी रूप से मान्य होंगे। इसके अलावा, 406 जिलों में बैंक अब ऑनलाइन ही जमीन गिरवी रखने (मॉर्गेज) की जानकारी जांच सकते हैं, जिससे लोगों को लोन जल्दी मिलने में मदद मिलेगी।

जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने का काम लगभग पूरा %

सरकार के मुताबिक, भूमि संसाधन विभाग ने जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। इससे जमीन से जुड़े काम अब लाइन में लगकर नहीं, बल्कि ऑनलाइन होने लगे हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, देश के 97 प्रतिशत से ज्यादा गांवों में जमीन के अधिकार से जुड़े रिकॉर्ड कंप्यूटर पर दर्ज किए जा चुके हैं। लगभग 97 प्रतिशत जमीन के नक्शे भी डिजिटल बना दिए गए हैं। करीब 85 प्रतिशत गांवों में जमीन के लिखित रिकॉर्ड को नक्शों से जोड़ दिया गया है।

शहरों में जमीन की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नक्शा

(एनएकेएसएचए) यानी राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित शहरी आवास भूमि सर्वेक्षण योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत देश के 157 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में काम किया जा रहा है। इनमें से 116 यूएलबी में हवाई सर्वे पूरा हो चुका है, जिसमें हाई-रिजॉल्यूशन इमेज के साथ 5,915 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया गया।

72 शहरों में जमीनी स्तर पर जांच शुरू : सरकार ने बताया कि 72 शहरों में जमीनी स्तर पर जांच शुरू हो चुकी है और 21 शहरों में यह काम पूरी तरह खत्म हो गया है। केंद्र सरकार ने 2025-26 की योजना के तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 1,050 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर की है, ताकि वे जमीन के डिजिटल रिकॉर्ड का काम पूरा कर सकें।

सरकार ने जमीन के लिए एक खास पहचान संख्या भी शुरू की है, जिसे यूएलपीआईएन कहा जाता है। यह 14 अंकों का नंबर होता है और इसे जमीन का आधार कार्ड कहा जा रहा है। नवंबर 2025 तक देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 36 करोड़ से ज्यादा लैंड पार्सल को यह नंबर दिया जा चुका है।

सरकार ने एनजीडीआरएस शुरू की है : मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने राष्ट्रीय दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) शुरू की है, जिससे जमीन की खरीद-बिक्री आसान हो गई है। यह सिस्टम पंजाब, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश सहित 17 राज्यों में लागू हो चुका है। करीब 88 प्रतिशत सब रजिस्ट्रार ऑफिस (एसआरओ) अब राजस्व कार्यालयों के साथ जुड़ चुके हैं, जिससे रजिस्ट्रेशन के तुरंत बाद जमीन का रिकॉर्ड अपने आप अपडेट हो जाता है। सरकार का कहना है कि इन सभी कदमों से जमीन से जुड़े काम आसान, तेज और पारदर्शी हो गए हैं।

बिना पासपोर्ट-वीजा पटना पहुंचे रूस और चीन के मेहमान, नजारा देख हो रह जाएंगे हैरान

GANDIV REPORTER

पटना। क्या आपको देखना है रूस और चीन के साथ अन्य देशों के पंछी! तो इसके लिए न तो रूस जाने की जरूरत है और न ही चीन। आप आ जाइए राजधानी पटना के मुख्य सचिवालय के पास। ये राजधानी जलाशय एक बार फिर से प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। इस बार ठंड के मौसम में तामपान इनके अनुकूल होने की वजह से यहां पक्षियों का जमघट देखने को मिल रहा है। जल से लबालब इस जलाशय में हजारों प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के कलरव सुने जा सकते हैं।

चहचहाहट ने भर दिए प्रकृति में मनोरम रंग

रूस और चीन समेत अन्य ठंडे प्रदेश के पंछियों ने अपना नया ठिकाना पटना सचिवालय के जलाशय को बना डाला है। इनके कलरव से पूरा इलाका जीवंत और आकर्षक बन गया है। खासकर सुबह और शाम के समय पक्षियों की चहचहाहट और उड़ान के मनोहारी दृश्य लोगों को अपनी तरफ सहसा ही खींच रहे हैं।

कौन-कौन सी पंछियों ने बनाया बसेरा : यहां दिखने वाले प्रमुख प्रवासी पक्षियों में कांब डक, लालसर, गड़वाल, कूट, पिनटेल, लेसर विसलिंग डक सहित कई प्रजातियां शामिल हैं। इनके अलावा स्थानीय पक्षियों जैसे हाउस क्रो, कॉमन मैना, एशियन कोयल, स्पॉटेड डव और कॉलर्ड डव की भी अच्छी संख्या देखी जा रही है। इन पक्षियों का सामूहिक कलरव जलाशय की सुंदरता को और अधिक बढ़ा रहा है।

प्रवासी पंछियों में किसका जलवा

प्रवासी पंछियों में रूस और चीन की पंछियों का जलवा तो है ही साथ ही राजधानी के इस जलाशय में आने वाले कई पक्षी उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, ब्राजील, ईरान, अफगानिस्तान, रूस, चीन, तिब्बत और नॉर्थ यूरोप जैसे दूर-दराज के देशों से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा तय कर यहां पहुंचते हैं।

ठंड की शुरूआत से बना बसेरा

इस बार शुरू से ही अच्छी ठंड पड़ने के कारण इस राजधानी जलाशय में इस वर्ष लगभग 4 से 5 हजार प्रवासी पक्षियों की उपस्थिति रही। पर्याप्त जलस्तर, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक भोजन की उपलब्धता ने दूर-दराज के देशों से आने वाले पक्षियों को यहां आकर्षित किया है। जलाशय के चारों ओर फैली हरियाली और शांत वातावरण इन पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल बन गया है।

पटना में वन विभाग की ओर से राजधानी जलाशय का प्रबंधन किया जाता है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राजधानी वाटिका का भी भ्रमण किया था। यहां आने वाले सैलानियों के लिए उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली थी।

उस्मान ख्वाजा ने किया संन्यास का ऐलान

सिडनी टेस्ट होगा करियर का आखिरी मुकाबला

GANDIV REPORTER

सिडनी। सिडनी में पांचवें एशेज टेस्ट के बाद उस्मान ख्वाजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगे, यह घोषणा उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। ऑस्ट्रेलिया के लिए 87 टेस्ट खेल चुके ख्वाजा ने अपनी शर्तों पर, पसंदीदा एससीजी से विदाई लेने की बात कही, हालांकि एडिलेड टेस्ट में शुरूआती चयन न होना उनके लिए संन्यास का संकेत था।

उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह सिडनी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए 87 टेस्ट मैच खेले हैं और 43.39 के औसत से 6206 रन बनाए हैं, जिनमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं। ख्वाजा ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की। सिडनी टेस्ट रविवार (4 जनवरी) से शुरू होने वाला है। एससीजी प्रेस रूम में पत्रकारों से बात करते हुए ख्वाजा ने कहा कि मैं इस बारे में सोच रहा था, पूरी तरह से नहीं, लेकिन कुछ समय से। इस सीरीज से पहले ही मुझे यह आभास हो गया था कि यह मेरी आखिरी सीरीज होगी। उन्होंने बताया कि मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड चाहते हैं कि वह 2027 में भारत दौरे पर खेलें।

हालांकि, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि एडिलेड टेस्ट के लिए शुरूआत में न चुना जाना उनके लिए एक संकेत था कि अब खेल से संन्यास लेने का समय आ गया है। गौरतलब है कि स्टीव स्मिथ के आखिरी समय में बीमार पड़ने के कारण ख्वाजा को एडिलेड में खेलने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में राहेल (ख्वाजा की पत्नी) से काफी बात की थी, और मुझे पता था कि यह एक बड़ा मौका है। मैंने पूरी तरह से उम्मीद नहीं छोड़ी थी, क्योंकि मुझे पता था कि आगे खेलने का मौका मिल सकता है। मुझे पता है कि [कोच] एंड्रयू मैकडॉनल्ड भी, जब मैंने उन्हें कुछ दिन पहले बताया था, तब तक इस बारे में सोच रहे थे कि मैं 2027 में भारत कैसे जा सकता हूं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि मैं अपनी शर्तों पर, थोड़ी गरिमा के साथ और अपने पसंदीदा एससीजी में विदाई ले रहा हूं। लेकिन मुझे लगता है कि सीरीज की शुरूआत काफी मुश्किल भरी रही। फिर एडिलेड में जाकर शुरूआत में न चुना जाना, शायद मेरे लिए एक संकेत था कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। उस्मान ख्वाजा ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर के दौरान कई बार संन्यास लेने के बारे में सोचा, जिसमें पिछले साल गर्मियों में भारत के खिलाफ हुई सीरीज भी शामिल है। उन्होंने भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद मुख्य कोच को संन्यास लेने की बात भी बताई थी। उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा था, अगर अभी किसी भी समय आप चाहें कि मैं संन्यास ले लूं, तो मैं तुरंत संन्यास ले लूंगा। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं रुका हूं।

ख्वाजा ने आगे कहा, सबसे परेशान करने वाली बात यह थी कि मुझे लगा कि लोग मुझ पर निशाना साध रहे हैं और कह रहे हैं कि मैं रुका हुआ स्वार्थी हूं। लेकिन मैं सिर्फ अपने लिए नहीं रुका था। एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने साफ तौर पर कहा, नहीं, मैं चाहता हूं कि तुम रुको। हमें श्रीलंका और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए तुम्हारी जरूरत है। मैं चाहता हूं कि तुम रुको। और इसलिए मैं रुका रहा। उस्मान ख्वाजा ने यह भी पुष्टि की कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह बिग बैश लीग (बीबीएल) में ब्रिसबेन हीट के लिए खेलना जारी रखेंगे।

उस्मान ख्वाजा ने इमोशनल स्पीच दिया : ख्वाजा ने एक इमोशनल रिटायरमेंट स्पीच में कहा, 'मैं एससीजी से थोड़ी ही दूर कुक रोड पर रहता था। मैं कभी नहीं भूलूंगा जब मैं छोटा था, मैंने माइकल स्लेटर को उनकी लाल फरारी चलाते हुए देखा था। मुझे अपनी किस्मत पर यकीन नहीं हुआ, मैंने अभी-अभी एक टेस्ट क्रिकेटर को देखा था। एक ऐसे लड़के के तौर पर जिसके माता-पिता मुश्किल से गुजारा कर रहे थे और एक छोटे से दो बेडरूम के अपार्टमेंट में अपने बच्चों का पेट पालने की कोशिश कर रहे थे।

भारतीय क्रिकेट टीम का 2026 कैलेंडर

वर्ल्ड कप से लेकर विदेशी दौरों तक चुनौतीपूर्ण साल

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। साल 2026 भारतीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसमें टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन घरेलू सरजमीं पर होगा और भारत पर खिताब बचाने का दबाव रहेगा। न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज जैसे देशों के खिलाफ सीरीज और एशियन गेम्स में भागीदारी टीम इंडिया के लिए कई मोर्चों पर परीक्षा होगी।नए साल की शुरूआत के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के सामने एक बेहद व्यस्त और चुनौतीपूर्ण कैलेंडर खड़ा है। 2026 का पूरा साल क्रिकेट के लिहाज से उतार-चढ़ाव, दबाव और बड़े इम्तिहानों से भरा रहने वाला है। बीते साल यानी 2025 में जहां टीम इंडिया को टेस्ट क्रिकेट में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ झटका लगा था, वहीं सीमित ओवरों में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब फोकस उस लय को बरकरार रखने और टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर खुद को साबित करने पर है।बता दें कि 2026 की शुरूआत न्यूजीलैंड के भारत दौरे से होगी, जहां दोनों टीमें तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों में आमने-सामने होंगी। यह सीरीज न सिर्फ वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से अहम होगी, बल्कि टीम संयोजन को परखने का भी बड़ा मौका मानी जा रही है।

इसके बाद फरवरी में घरेलू सरजमीं पर टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जहां भारत से खिताब बचाने की उम्मीदें होंगी। मौजूद जानकारी के अनुसार, वर्ल्ड कप मुकाबले मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद और कोलंबो जैसे शहरों में खेले जाएंगे। भारत को ग्रुप स्टेज में अमेरिका, नामीबिया, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स जैसी टीमों से भिड़ना है। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के तुरंत बाद आईपीएल 2026 का आयोजन होगा, जो खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से बड़ी चुनौती बनेगा। इसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी, जहां पांच टी20 और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। यह दौरा विदेशी परिस्थितियों में टीम की गहराई और संयम की असली परीक्षा होगा।

साल के दूसरे हिस्से में भारत को श्रीलंका और न्यूजीलैंड जैसे देशों के खिलाफ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है, वहीं एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम की भागीदारी प्रस्तावित है। इसके अलावा अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज भी तय हैं।

बीबीएल में मार्श का 'तूफानी' शतक

GANDIV REPORTER

मेलबर्न। मिचेल मार्श के तूफानी 58 गेंदों पर 102 रनों की शतकीय पारी की बदौलत पर्थ स्कॉर्चर्स ने होबार्ट हरिकेंस को 40 रनों से हराया, जिससे टी20 वर्ल्ड कप से पहले विपक्षी टीमों को एक कड़ा संदेश मिला। आरोन हार्डी (94*) के साथ मार्श ने 229/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो हरिकेंस के 189/9 के जवाब में काफी साबित हुआ।

मिशेल मार्श के शानदार शतक की बदौलत पर्थ स्कॉर्चर्स ने गुरुवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 में होबार्ट हरिकेंस पर 40 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। ओपनिंग बल्लेबाजी करते हुए मार्श ने मात्र 58 गेंदों में 102 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच छक्के शामिल थे। उन्हें एरोन हार्डी का भरपूर साथ मिला, जिन्होंने 43 गेंदों में 94 रनों की तूफानी नाबाद पारी खेली, जिसमें नौ चौके और पांच छक्के शामिल थे। दोनों ने हरिकेंस के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और स्कॉर्चर्स को अपने निर्धारित 20 ओवरों में 229/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, होबार्ट हरिकेंस कुछ जुझारू छोटी पारियों के बावजूद 189/9 पर ही सिमट गई। निखिल चौधरी 15 गेंदों में 31 रनों की तेज पारी खेलकर शीर्ष स्कोरर रहे, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। टॉस जीतकर होबार्ट ने पहले फील्डिंग करने का विकल्प चुना, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण उनकी पारी को अपेक्षित गति नहीं मिल पाई। पहला झटका जल्दी ही लगा जब 14 रन के स्कोर पर मिशेल ओवेन 4 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे जोएल पेरिस को मैच का पहला विकेट मिला। अच्छी लय में दिख रहे टिम वार्ड भी जल्द ही 27 रन बनाकर एश्टन अगर के हाथों आउट हो गए। हरिकेंस ने 6.3 ओवर में 50 रन बना लिए और पारी के आधे चरण तक उनका स्कोर 88/4 था। इसके बाद चौधरी और मैथ्यू वेड ने थोड़ी देर के लिए पारी को संभाला और 56 रन जोड़े। वेड ने 14 गेंदों में 29 रनों की आक्रामक पारी खेली, जिसके बाद 12.2 ओवर में कूपर कॉनॉली ने चौधरी को आउट कर दिया। वेड अगले ही ओवर में अगर के हाथों आउट हो गए, जिससे होबार्ट 13.1 ओवर में 131/6 के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। इंग्लैंड के ऑलराउंडर रेहान अहमद ने 18 रन बनाए, लेकिन उनका प्रयास पर्याप्त नहीं था। वे जल्द ही 150/7 पर सिमट गए। हरिकेंस के कप्तान नाथन एलिस 16 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

पर्थ के गेंदबाजों में एश्टन अगर सबसे बेहतरीन रहे, जिन्होंने चार ओवरों में 3/38 के आंकड़े दर्ज किए। इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में हार्डी ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए तीन ओवरों में 2/27 विकेट लिए, जबकि पेरिस ने 2/36 विकेट हासिल किए। कॉनली ने चार ओवरों में 1/23 के किफायती आंकड़े दर्ज किए, और ब्रॉडी काउच ने भी तीन ओवरों में 1/23 का योगदान दिया। मार्श को मैच जिताने वाले शतक के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिसने होबार्ट में पर्थ स्कॉर्चर्स की शानदार जीत की नींव रखी।

वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

GANDIV REPORTER

मेलबर्न। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स को 18 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की।

28 साल बाद मेलबर्न पार्क में करेंगी वापसी

45 वर्षीय वीनस विलियम्स लगभग 28 साल बाद मेलबर्न पार्क में वापसी करेंगी। उन्होंने यहां पहली बार 1998 में खेला था, जब उन्होंने दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स को हराया था। हालांकि, क्वार्टरफाइनल में उन्हें अमेरिका की ही लिंडसे डेवनपोर्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से दो हफ्ते पहले ऑकलैंड में खेलने उतरेंगी

वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन से दो हफ्ते पहले ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में खेलने उतरेंगी, जहां उन्हें भी वाइल्ड कार्ड मिला है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन से ठीक पहले वह होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) में होने वाले एक टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेंगी।

आखिरी बार 2021 में मेलबर्न में खेलती नजर आई थीं वीनस

वीनस विलियम्स आखिरी बार 2021 में मेलबर्न में खेलती नजर आई थीं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला एकल में दो बार उपविजेता रह चुकी हैं–2003 और 2017 में, जब दोनों ही बार उन्हें फाइनल में बहन सेरेना से हार मिली थी।

वीनस ने कहा- मैं ऑस्ट्रेलिया लौटकर बेहद उत्साहित

वीनस ने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया लौटकर बेहद उत्साहित हूं और ऑस्ट्रेलियन समर के दौरान प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्सुक हूं। यहां मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं और उस जगह पर लौटने का मौका मिलना मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखता है।

मेलबर्न पार्क में वीनस का रिकॉर्ड

मेलबर्न पार्क में वीनस का रिकॉर्ड 54 जीत और 21 हार का रहा है। 2026 में यह 22वीं बार होगा जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों के अनुसार, वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की किमिको डेटे के नाम था, जिन्होंने 2015 में 44 साल की उम्र में यहां मुकाबला खेला था।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर, पर टेस्ट में 'रॉकस्टार'

शुभमन गिल ने 2025 के उतार-चढ़ाव पर खुल कर की बात

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। शुभमन गिल ने 2025 को अपने करियर का एक महत्वपूर्ण वर्ष बताते हुए, टेस्ट और वनडे में शानदार प्रदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया, जबकि टी20 में संघर्षों से सीखा। उन्होंने विशेष रूप से इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट में प्रभावशाली बल्लेबाजी की और भारत की कप्तानी में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई।

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने अपने लिए एक निर्णायक वर्ष 2025 को याद करते हुए, इससे मिले सबक, अनुभवों और यादों के लिए आभार व्यक्त किया और नए साल की ओर देखा। गिल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो रील साझा करते हुए लिखा कि 2025, तुम मेरे लिए वाकई खास थे। बहुत सारे सबक, अनुभव और यादें हैं जिनके लिए मैं आभारी हूं। इन सबको 2026 में आगे ले जा रहा हूं।

26 वर्षीय गिल के लिए यह वर्ष उतार-चढ़ाव भरा रहा। एक ओर, गिल को सबसे छोटे प्रारूप में झटका लगा, जब उप-कप्तान होने के बावजूद उन्हें भारत की टी20क टीम से बाहर कर दिया गया। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद, उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भी टीम से बाहर कर दिया गया, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही एकमात्र ऐसा प्रारूप था जिसमें उन्हें संघर्ष करना पड़ा, जहां उन्होंने 15 पारियों में सिर्फ 291 रन बनाए और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया, उनका औसत मात्र 24 से थोड़ा अधिक रहा।

हालांकि, 2025 में गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में उनके संघर्षों के बिल्कुल विपरीत था। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया, खासकर इंग्लैंड दौरे के दौरान, जहां उन्होंने विदेशी परिस्थितियों में किसी भारतीय द्वारा किए गए सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक दिया। गिल ने पांच टेस्ट मैचों में 75.40 के औसत से 754 रन बनाए, जिनमें चार शतक और करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन शामिल है। रनों की इस झड़ी ने उन्हें कई रिकॉर्ड तोड़ने में मदद की, ऐसी उपलब्धियां जो क्रिकेट के इतिहास की किसी पारंपरिक किताब में एक पूरा अध्याय भर सकती हैं।

टेस्ट में, उन्होंने नौ मैचों में 70.21 के औसत से 983 रन बनाए, जिनमें पांच शतक और एक अर्धशतक शामिल है। 11 वनडे मैचों में, उन्होंने 49.00 के औसत से 490 रन बनाए, जिनमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच उनके लिए एकमात्र संघर्षपूर्ण प्रारूप रहा, जिसमें उन्होंने 15 पारियों में सिर्फ 291 रन बनाए, एक भी अर्धशतक नहीं, और उनका औसत 24 से थोड़ा अधिक रहा।

टेस्ट और वनडे में भारतीय कप्तानी मिलने से यह साल उनके लिए और भी खास बन गया। उन्होंने इंग्लैंड में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में भारत को 2-2 से ड्रॉ दिलाया, जो हाल के कुछ बेहतरीन टेस्ट सीरीज में से एक थी। गिल ने इस साल वनडे में शानदार शुरूआत की, द्विपक्षीय मैचों में बेहतरीन प्रदर्शन किया और भारत के लिए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में 188 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ एक शतक भी शामिल था।

शोर्ड मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी, बने नए मुख्य कोच

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा, वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को वैश्विक स्टेज पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने का हौसला और मौका देने के सपने के साथ लौटा हूं। मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच रह चुके हैं। हॉलैंड के शोर्ड मारिन 14 जनवरी को भारत आएंगे। नेशनल कोचिंग कैंप 19 जनवरी को साई, बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। हेड कोच के तौर पर मारिन की पहली बड़ी चुनौती हैदराबाद में होने वाली हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर होगा, जो 8-14 मार्च, 2026 तक होने वाला है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, हम शोर्ड मारिन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का इंडियन हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और साई का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने नियुक्ति में तेजी लाई ताकि आने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम की तैयारियों में कोई रुकावट न आए। उन्होंने आगे कहा, टीम की फिटनेस पर जोर दिया गया है, जो टोक्यो में इंडियन विमेंस के ऐतिहासिक प्रदर्शन का एक मुख्य कारण था। हम एक अच्छे समय की उम्मीद करते हैं।

शोर्ड मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला मदद करेंगे। डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर भारतीय महिला कोचिंग सेटअप में लौट रहे हैं। उन्हें साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में रोडेट विला और सियारा विला का सपोर्ट मिलेगा। मटियास विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं। 1997 में डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और लगभग दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं।

जिया शंकर ने अभिषेक मल्हान संग झूठी शादी की अफवाहों को किया खारिज, मिस्ट्री मैन संग रोमांटिक तस्वीर ने मचाया बवाल !

इन्फ्लुएंसर फुकरा इंसान, जिन्हें अभिषेक मल्हान के नाम से भी जाना जाता है, से शादी करने वाली हैं, जिसके बाद जिया ने तुरंत साफ कर दिया कि ये दावे सच से बहुत दूर हैं। बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट जिया शंकर एक बार फिर रिलेशनशिप की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। हर बार की तरह, उन्होंने इसे अपने तरीके से सुलझाने का फैसला किया है। एक्ट्रेस ने आखिरकार अभिषेक मल्हान, जिन्हें फुकरा इंसान के नाम से जाना जाता है, के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है।

जिया शंकर ने शादी की अफवाहों को खारिज किया : हाल ही में आई खबरों में दावा किया गया था कि वह इन्फ्लुएंसर फुकरा इंसान, जिन्हें अभिषेक मल्हान के नाम से भी जाना जाता है, से शादी करने वाली हैं, जिसके बाद जिया ने तुरंत साफ कर दिया कि ये दावे सच से बहुत दूर हैं। पिछले कुछ दिनों में ये अफवाहें ऑनलाइन काफी फैल गईं और आखिरकार इतनी बढ़ गईं कि एक्टर को सार्वजनिक रूप से जवाब देना पड़ा।

औपचारिक स्पष्टीकरण जारी करने के बजाय, जिया ने इंस्टाग्राम का सहारा लिया और एक मिस्ट्री मैन के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की, जो उन्हें माथे पर धीरे से किस करते हुए दिख रहा था। फोटो के ऊपर, उन्होंने लिखा, चलो 2025 में झूठी अफवाहों को छोड़ देते हैं! साथ में एक लाल दिल वाला इमोजी भी था। कई लोगों ने इसे मल्हान के साथ उनके रिश्ते की अटकलों को खत्म करने का उनका तरीका समझा।

कथित तौर पर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक एंटरटेनमेंट पेज, टेली खजाना ने एक दावा पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, यह ऑफिशियल है! फुकरा इंसान और जिया शंकर ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है, और रिपोर्ट्स के अनुसार सगाई भी हो सकती है। इस प्यारे जोड़े को हमेशा प्यार और खुशी की शुभकामनाएं। जिया शंकर पहले भी मल्हान के साथ रिलेशनशिप की अफवाहों को खारिज कर चुकी हैं यह पहली बार नहीं है जब जिया को सार्वजनिक रूप से ऐसी अफवाहों से खुद को दूर करना पड़ा है। पिछले साल, उन्होंने एक कड़ा बयान जारी कर अभिषेक मल्हान के साथ अपने रिश्ते को साफ किया था और उनके बारे में ऑनलाइन चल रही बातों को गलत बताया था।

यह आखिरी बार कह रही हूं, जिससे भी यह संबंधित है! मेरा फुकरा इंसान या इन मीम पेजों से कोई लेना-देना नहीं है। हमारे बीच दोस्ती के अलावा कुछ नहीं था, और अब वह भी नहीं रही। उन्होंने उस समय लिखा था, मैं इनमें से किसी भी मीम पेज को फॉलो नहीं करती और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि यह सब कैसे काम करता है।

अपनी निराशा जाहिर करते हुए, एक्ट्रेस ने गॉसिप के पर्सनल असर के बारे में बात की, और कहा, मुझे हमेशा लगता था कि वे इस तरह की चीजें व्यूज के लिए बनाते हैं, या मुझे नहीं पता कि कोई इस बकवास के लिए पैसे देता है, लेकिन अगर इसका इल्जाम मुझ पर आता है और मेरे कैरेक्टर और परिवार पर गंदे कमेंट्स किए जाते हैं, तो सुन लो, पांडा गैंग, मैं सेल्फ-मेड हूं, लाउड और प्राउड हूं। मैं अपनी वजह से हूं, किसी और की वजह से नहीं। इन सस्ती हरकतों से बहुत ऊपर हूं! इसलिए अपनी हद में रहो और मेरी मां और मेरा नाम अपने गंदे मुंह से दूर रखो। जिया शंकर और अभिषेक मल्हान पहली बार बिग बॉस ओटीटी 2 के दौरान एक-दूसरे से जुड़े थे, जहां उनकी दोस्ती ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। बाद में एक म्यूज़िक वीडियो में उनके साथ काम करने से अटकलें और बढ़ गईं, जिसे एक्ट्रेस ने बार-बार और मजबूती से नकारा है।

नए साल में पवन सिंह ने आलीशान घर में किया गृह प्रवेश, मंदिर में पूजा-पाठ करके दिखाया नया पता-ठिकाना

भोजपुरी सिनेमा के स्टार पवन सिंह को बीते दिनों लॉरेंस बिश्नोई गैंग से धमकी मिली थी। उन्हें फोन आया था, जिसमें उन्हें सलमान खान के साथ मंच पर न आने की चेतावनी दी गई थी। खबरों के मुताबिक, पवन सिंह को एक अज्ञात नंबर से फोन आया और फोन करने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया। फोन करने वाले ने कथित तौर पर पवन सिंह को सलमान खान के साथ मंच शेयर न करने को कहा था। अब, इन धमकियों के बीच भोजपुरी सुपरस्टार अपने नए घर में शिफ्ट हो गए हैं।

भोजपुरी सिनेमा के स्टार पवन सिंह ने नए साल के मौके पर लखनऊ में घर लिया है और अपने नए घर में शिफ्ट भी हो गए हैं। उन्हें उनकी मां के साथ घर से बाहर निकलते देखा गया। उनके साथ एक सुरक्षा गार्ड भी मौजूद था। पवन सिंह ने गृह प्रवेश से पहले मंदिर में पूजा की, मां के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया और फिर नए घर में एंट्री की।

पवन सिंह की नेट वर्थ : पवन सिंह का उनके गांव आरा में भी एक आलीशान घर है जिसमें उनका पूरा परिवार एक साथ रहता है। पवन सिंह के हलफनामे के अनुसार, उनकी कुल नेट वर्थ 16.75 करोड़ से अधिक है। वे बिहार के सबसे प्रसिद्ध हस्तियों में गिने जाते हैं। पवन सिंह के ज्यादातर गाने सुपरहिट हैं।

पवन सिंह के पास इन जगहों पर प्रॉपर्टी : एक्टर के पास मुंबई में चार फ्लैट हैं। उनकी संपत्तियों की लिस्ट में लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में एक आलीशान फ्लैट भी शामिल है। राजनेता-स्टार के पास अपने घर आरा और बिहार के पटना में भी प्रॉपर्टीज हैं।

पवन सिंह की दो शादियां

पवन सिंह ने पहली शादी नीलम सिंह से 2014 में की थी, जिनका दुर्भाग्यवश 2015 में निधन हो गया। इसके बाद उन्होंने 2018 में ज्योति सिंह से दूसरी शादी की।

तमन्ना और सोनम बाजवा ने गोवा के क्लब में डांस से मचाई हलचल

गोवा में जोश से भरी नए साल की पार्टी के साथ 2026 का स्वागत किया गया और सारा ध्यान तमन्ना भाटिया और सोनम बाजवा पर था। बागा का एक फेमस बीच क्लब म्यूजिक, डांस और सितारों की चकाचौंध से जगमगा उठा, जहां हजारों लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए।

तमन्ना भाटिया ने अपने खास अंदाज और एनर्जी से भरपूर डांस मूव्स के साथ मंच पर कदम रखा और फेमस गानों पर परफॉर्म किया। उन्होंने दर्शकों को लगातार तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने एक खूबसूरत लाल रंग की ड्रेस पहनी थी जो माहौल से पूरी तरह मेल खा रही थी। फैंस एक्साइटेड थे और तमन्ना के मंच पर आने से स्टेज जगमगा उठा, लोगों ने उनके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर

किए।तमन्ना भाटिया और सोनम बाजवा ने लगाए ठुमके

इस ग्लैमरस परफॉर्मेंस में पंजाबी सिनेमा की स्टार सोनम बाजवा भी शामिल हुईं। उनके डांस मूव्स ने दर्शकों को जोशीले गानों पर थिरकने पर मजबूर कर दिया। सोनम के परफॉर्मेंस के वीडियो तुरंत वायरल हो गए और फैंस ने उनकी एनर्जी और स्टेज पर उनके लगाए गए तड़के की खूब तारीफ की।नए साल की पार्टी में इन स्टार्स की रौनक

पार्टी में केवल ये दो हसीनाएं ही नहीं थीं। सिंगर मिलिंद गाबा ने लाइव परफॉर्मेंस दी, वहीं डीजे चेत्ज, स्वप्निल और मैक विएरा ने अपने सेट से डांस फ्लोर को 2026 की सुबह तक खचाखच भरा रखा। लेकिन असल में तमन्ना और सोनम की परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया।

फैंस के दिल तक पहुंचा डांस : उस रात के वीडियो सोशल मीडिया पर छा गए, जिनमें फैंस ने सितारों से सजे डांस को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। कई लोगों ने इसे नए साल का स्वागत करने का सबसे बेहतरीन तरीका बताया और दोनों के डांस और ग्लैमर की खूब तारीफ की।टाइम्स स्क्वायर के पास उमड़ी भीड़ इसी बीच, न्यूयॉर्क शहर ने भी टाइम्स स्क्वायर बॉल ड्रॉप के साथ शानदार ढंग से 2026 का स्वागत किया। हजारों लोग कड़ाके की ठंड में भी दुनिया के सबसे प्रसिद्ध फेस्टिवल में से एक का हिस्सा बनने के लिए उमड़ पड़े।

बॉक्स ऑफिस : धुरंधर चौथे हफ्ते में भी 100 करोड़ पार, नए साल में अवतार 3 भी चमकी

आदित्य धर की स्पाई एक्शन फिल्म धुरंधर थमने का नाम नहीं ले रही है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म को रिलीज हुए एक महीने हो गए हैं, और अपने चौथे हफ्ते में भी इसने धुआंधार 106.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। 28 दिन से यह फिल्म लगातार दहाई अंकों में कारोबार कर रही है। गुरुवार को नए साल के मौके पर छुट्टी का इसे भरपूर फायदा हुआ है। दिलचस्प है कि 1 जनवरी को दिवंगत धर्मेंद्र और अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्कीस रिलीज हुई है। इसे खूब तारीफ भी मिल रही है, पर धुरंधर पर इसका कोई असर नहीं हुआ, बल्कि इसने इक्कीस से दोगुनी से भी अधकि का बिजनस कर अपनी बादशाहत साबित कर दी है। दूसरी ओर, जेम्स कैमरून की अवतार फायर एंड ऐश को भी न्यू ईयर के जश्न का लाभ मिला है। जबकि कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की कमाई बढ़ने की बजाय और घट गई है।

धुरंधर का बजट 280 करोड़ रुपये है। जबकि रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन, आर माधवन और अर्जुन रामपाल की इस फिल्म ने 28 दिनों में सिर्फ भारत में अपनी लागत से 163.92% अधकि की कमाई कर ली है। बीते कुछ साल से जहां पैन इंडिया रिलीज फिल्मों का क्रेज दिखा है, वहीं धुरंधर सिर्फ हिंदी में रिलीज हुई है और इसने एक ही भाषा में रिलीज किसी भी दूसरी भारतीय फिल्म से अधकि कमाई का रिकॉर्ड बना लिया है।

धुरंधर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन : 28वें दिन 15.75 करोड़ का कारोबार

गुरुवार को 28वें दिन धुरंधर ने देश में 15.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। एक दिन पहले बुधवार को इसने 11.00 करोड़ रुपये कमाए थे। नए साल की छुट्टी के कारण सिनेमाघरों में भीड़ बढ़ी और इसका सीधा फायदा रणवीर सिंह की फिल्म को हुआ। नए साल पर फिल्म के शोज में औसतन 35.43% सीटों पर दर्शक नजर आए। अब 28 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर का टोटल नेट कलेक्शन 739 करोड़ रुपये हो चुका है। आगे वीकेंड में कमाई फिर बढ़ेगी और यह अपने 5वें वीकेंड तक आसानी से 760+ करोड़ के पार पहुंचती हुई दिख रही है। पांचवें हफ्ते में यह फिल्म 800 करोड़ के पार चली जाएगी, क्योंकि वैसे भी इसके सामने फिलहाल कोई बड़ी फिल्म नहीं है।

भारत में धुरंधर की कमाई का हिसाब

पहले हफ्ते में - 207.25 करोड़

दूसरे हफ्ते में - 253.25 करोड़

तीसरे हफ्ते में - 172.00 करोड़

चौथे हफ्ते में - 106.50 करोड़

धुरंधर वर्ल्डवाइड कलेक्शन : धुरंधर की धूम सिर्फ देश में ही नहीं, ओवरसीज मार्केट में भी है। इसने विदेशी बाजार में भी 28 दिनों में 250 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। हालांकि, यह कमाई और हो सकती थी, क्योंकि खाड़ी देशों में फिल्म पर बैन लगा है। एक आकलन के मुताबिक, इस कारण धुरंधर को करीब 90 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बहरहाल, 28 दिनों में इसने देश और विदेश मिलाकर कुल 1136.75 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। दुनियाभर में सबसे अधकि कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में धुरंधर अभी 7वें नंबर पर है। इसके आगे 1160 करोड़ की कमाई के साथ जवान का नाम है। जबकि उसके ऊपर 1215.00 करोड़ के साथ यश की केजीएफ2 है।

इक्कीस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन : गुरुवार को भारत में धुरंधर के बाद दूसरी सबसे अधकि कमाई नई रिलीज इक्कीस ने की है। श्रीराम राघवन के डायरेक्शन में बनी इस वॉर ड्रामा बायोपिक ने 7.00 करोड़ रुपये से ओपनिंग की है। यह दिवंगत धर्मेंद्र की आखरिी फिल्म है। जबकि अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की बड़े पर्दे पर पहली फिल्म है। अगस्त्य इससे पहले ओटीटी पर जोया अख्तर की द आर्चीज से एक्टगि डेब्यू कर चुके हैं। इक्कीस की खूब तारीफ हो रही है। ऐसे में आगे वर्ड ऑफ माउथ के बूते इसकी कमाई बढ़ने के आसार हैं।